47th
Year in the Service of Mankind

Bharat Vikas Parishad

May 2011 No.5 Vol XXXXI

वैशाख–ज्येष्ठ 2068

नीति Niti

Mouth piece of Bharat Vikas Parishad with a circulation of 45000

National President
RAVINDRA PAL SHARMA
PH: 022-28225252 (MUMBAI)

National Working President
ISHWAR DATT OJHA
PH: 011-25550082 (DELHI)

National Secretary General & Chief Editor
SURINDER KUMAR WADHWA
MOB. :9811028486 RESI : 011-27484697 (DELHI)

National Finance Secretary
DR. KANHAIYA LAL GUPTA
MOB. : 9837181558 RESI : 0571-2743213 (ALIGARH)

National Organising Secretary
HARISH JINDAL
PH : 0120-3147194 (GHAZIABAD)

Chairman Prakashan
MAHESH CHANDER SHARMA
MOB : 9911366200 RESI : 011-23693036 (DELHI)

Managing Editor Niti
DR. DHARAM VIR SETHI
PH: 0124-4110310 (GURGAON)

National Secretary, Website & Prakashan
ATAM DEV
PH: 011-27316049, 27313051(DELHI)

Editor
RAM PARKASH KAUSHIK
MOB. 9873174440 RESI : 011-47083459 (DELHI)

Niti e-paper : This issue is also available on Parishad's website www.bvpindia.com

Published & Printed by I.D. Ojha for BHARAT VIKAS PARISHAD, Bharat Vikas Bhawna, Plot No. MS-14 AD/BD Block, (Adjoining BD-87), Pitampura, Delhi-110034 Editor : Suresh Chandra and Printed at : BHAWNA PRINTERS, A-26, Naraina Industrial Area, Phase-II, Delhi-110028 Ph.: 9871577322

चिन्तन

जिसके आगे लोग झुकते हैं, वह महापुरुष नहीं;
महापुरुष वह है, जो स्वयं चार के आगे झुकना जानता है।

CONTENTS

1. सम्पादकीय 2
2. Workshops/Meetings 3
3. Calendar of Activities 4
4. राष्ट्रीय प्रौढ़ संस्कार शिविर 5
5. धर्म और संस्कार 6
6. संस्कृति सप्ताह : मार्गदर्शिका 7
7. National Events/Programmes 8
8. राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता : मार्गदर्शिका 9
9. GVCA : Guidelines for Branches 11
10. Seminars-Guidelines 13
11. भारत को जानो: मार्गदर्शिका 15
12. गुरुवंदन छात्र अभिनन्दन 16
13. नई शाखाएँ 16
14. विकलांग सहायता 17
15. चिकित्सा शिविर 19
16. पर्यावरण 24
17. List of Donors (Leh-Ladakh) 24
18. विविध गतिविधियाँ 25
19. श्रद्धांजलि 36

मई मास के पर्व एवं कार्यक्रम

1 : मई दिवस, श्रम दिवस, महाराष्ट्र, गुजरात राज्य दिवस 2 : गुरु अर्जुनदेव जयन्ती 3 : मुनि शुकदेव जयन्ती, प्रैस स्वतंत्रता दिवस 4 : गुरु अंगददेव जयन्ती 5 : भगवान परशुराम एवं छत्रपति शिवाजी जयन्ती 6 : बद्रीनाथ-केदारनाथ यात्रा 8 : आद्य शंकराचार्य, सूरदास जयन्ती : सोमनाथ प्रतिष्ठा दिवस, रेडक्रास डे, मदर्स डे 9 : रामानुजाचार्य जयन्ती 10 : चित्रगुप्त जयन्ती 12 विश्व नर्स दिवस 17 : बुद्ध पूर्णिमा 19 : महर्षि नारद जयन्ती, वीणा दान 22 : राजा राममोहन राय जयन्ती/गुरु अमरदास जयन्ती 31 : धूम्रपान निषेध दिवस

1.5.11 : Workshop of Elected Prant Office bearers.
15.5.11: National Workshop-Organisational matters.
29.5.11: Workshop for Sanskar Karya.

Central & Regd. Office:
BHARAT VIKAS BHAWAN
Behind Power House,
Pitam Pura, Delhi -110034
Ph: 011-27313051, 27316049 Fax: 011-27314515
e-mail : bvp@bvpindia.com website : www.bvpindia.com

Price : Rs. 10.00 Per Copy
Annual Subscription : Rs. 100.00

हमारे पुरोधा

ऋषि-मुनियों, साधु-सन्तों, बुद्धि-जीवियों, लेखकों, कवियों, साहित्यकारों, समाज-सेवियों और प्रभु-भक्तों के लिए आर्यावर्त की यह धरती सदा उर्वरा रही है और ऐसी महान् विभूतियाँ समाज के लिए वन्दनीय और अनुकरणीय रही हैं। अस्तु! जब भी ऐसे महापुरुषों की जयन्ती मनाई जाती है तो मन आह्लादित हो उठता है।

मई मास में तो लगभग ऐसी बारह महान् आत्माओं की जयन्तियाँ मनाई जानी हैं। गुरु अर्जुन देव (2.5), सिक्खों के पंचम गुरु एवं ग्रन्थ-साहब के संकलन कर्ता; गुरु नानक का उत्तराधिकारी एवं लंगर-पद्धति का शुभारम्भ करने वाले गुरु अंगद देव (4.5) और गुरु ग्रन्थ साहब में जिनकी वाणी का संकलन है ऐसे गुरु अमरदास (23.5) सरीखे गुरु तो सिक्ख सम्प्रदाय के दस गुरुओं में अपनी विशेष पैठ बनाए हुए हैं। उनकी वाणी का पाठ निरन्तर गुरुद्वारों में सुनने को मिलता है। मुनि शुकदेव (3.5) से सम्बन्धित धार्मिक कथाएँ नारी-वर्ग के लिए विशेष रूप से मन्दिरों में सुनाई जाती हैं। विष्णु के अवतार और अपने 'फरसे' के कारण प्रसिद्ध भगवान परशुराम (5.5) और मुग़ल सम्राट के छक्के छुड़ाने वाले समर्थ गुरु रामदास के शिष्य छत्रपति शिवाजी (5.5) से कोई अभागा ही होगा जो परिचित न हो। महाकवि भूषण ने शिवाजी के त्रास का एक अनूठा आलंकारिक चित्रण प्रस्तुत किया है:

ऊँचे घोर मन्दिर के अन्दर रहन वारी।
ऊँचे घोर मन्दिर के अन्दर रहाती हैं॥
कन्दमूल भोग करें कन्द मूल भोग करें।
तीन बेर खाती थीं वे तीन बेर खाती हैं॥
भूषण शिथिल अंग-भूषण शिथिल अंग।
नगन जड़ाती थीं वे नगन जड़ाती हैं॥

मराठा सरदार शिवाजी को भारतीय अस्मिता की रक्षा के लिए हम नमन करते हैं।

लगभग सभी धर्मावलम्बी अद्वैतवाद के प्रवर्तक एवं चार धामों की स्थापना करने वाले आद्य शंकराचार्य (8.5) को अपना धर्मगुरु मानते हैं। प्रज्ञाचक्षु महाकवि सूरदास (8.5) के तो कहने ही क्या।'सूरसागर' और 'भ्रमर गीत' की रचना कर यह कृष्ण भक्त कवि अमर हो गया। बाल कृष्ण के भोले पन की एक बानगी देखिए:

मैया मोरी मैं नहीं माखन खायो।
भोर भयो गैयन संग भटक्यौ, साँझ परे घर आयो।
ग्वाल बाल सब बैर परे हैं, बरबस मुख लपटायो।

आदि पंक्तियाँ पढ़ और सुनकर किसका मन पसीज नहीं उठेगा?

काँची में तत्वज्ञान प्राप्ति के उपरान्त विशिष्टाद्वैतवाद के सगुणोपासक रामानुजाचार्य (9.5) ने कहा था 'जिसने कभी (भग्वद्) प्रेम नहीं किया, वह भगवान की कृपा कभी प्राप्त नहीं कर सकता।' मानव के अच्छे-बुरे कर्मों का हिसाब-किताब रखने की बात आती है तो यमाचार्य के कार्यालय में नियुक्त चित्रगुप्त (10.5) का स्मरण हो आता है। 'करम गति टारे नाहिं टरै'। क्यों न अभी से सचेत हो जाएँ और शुभ कर्म करने आरम्भ कर दें। 'देहु शिवा वर मोहि अबै, शुभ कर्मन ते कबहूँ न टरुऊँ'। 'नारायण' 'नारायण' कहते और रटते हुए महर्षि नारद (19.5) बिना बुलाए सर्वत्र पहुँच जाते हैं और समस्याओं का समाधान भी प्रस्तुत करते हैं। हमारी धार्मिक कथाओं में महर्षि नारद और उनकी वीणा का विशेष स्थान है। शायद इसी कारण आज के दिन 'वीणा' वाद्य-यन्त्र का भी दान किया जाता है। राजा राम मोहन राय (22.5) का भी भारतीय विचार धारा के प्रसार में विशेष योगदान रहा है।

बौद्ध धर्म के प्रणेता महात्मा बुद्ध (17.5) का जन्म लुम्बिनी में हुआ था और बोध-गया में ज्ञान प्राप्ति। डाकू अंगुलिमाल को सन्त बनाने वाले महात्मा बुद्ध का न केवल अपने देश में अपितु अन्य देशों में भी वर्चस्व बना हुआ है। सारनाथ में प्रथम प्रवचन देते हुए उन्होंने 'धर्मचक्र प्रवर्तन' की स्थापना की। आज भी बौद्ध मन्दिरों और मठों में इन के अनुयायी चक्र घुमाते हुए दिखाई पड़ते हैं। अहिंसा का पाठ पढ़ाने वाले महात्मा बुद्ध के धर्मग्रन्थ त्रिपिटक के मूल मन्त्र हैं:

बुद्धं शरणं गच्छामि।
धम्मं शरणं गच्छामि।
संघं शरणं गच्छामि।

पाश्चात्य संस्कृति का अन्धानुकारण करते हुए भारतवासियों ने भी कुछ दिनों को विशिष्ट नाम दे दिए हैं। जैसे 'मई डे,' 'प्रैस स्वतन्त्रता दिवस,' 'रेड क्रास डे' 'मदर्स डे,', 'विश्व नर्स दिवस,' 'धूम्रपान निषेध दिवस' आदि आदि। क्या मई दिवस (1.5) को ही श्रम दिवस समझना चाहिए। क्या अन्य दिनों में श्रम करने की मनाही है। ऐसा नहीं, वस्तुत: 'परिश्रमेण हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथै':- परिश्रम तो हर समय करना ही होता है। प्रैस की स्वतन्त्रता (3.5) तो सदा रहनी चाहिए ताकि लेखनी कुन्द न हो जाए और जनता जागरूक बनी रहो। 'रेड क्रास डे (8.5) और 'नर्स दिवस' (12.5) यद्यपि स्वास्थ्य से जुड़े हैं फिर भी इन सेवाओं की निरन्तर आवश्यकता

रहती है। 'मदर्स डे' (8.5), 'फ़ादर्स डे' कह कर तो मानों माता-पिता के लिए मात्र एक दिन ही सीमित कर दिया गया हो। भारतीय संस्कृति तो 'मातृ देवो भव, पितृ देवो भव, अतिथि देवो भव' की संस्कृति है। माता-पिता तो अहिर्निश पूजनीय हैं। केवल एक ही दिन उन्हें बधाई-कार्ड भेज कर सन्तुष्ट नहीं होना चाहिए। धूम्रपान निषेध (31.5) के सम्बन्ध में तो प्रचार निरन्तर होता रहना चाहिए कि स्वास्थ्य के लिए यह कितना हानिकर है। आइए! हम कूप-मण्डूक न बनें परन्तु इन दिवसों की महत्ता को निरन्तर प्रचारित करते रहें।

कतिपय राज्यों के लिए भी उनका जन्म दिन अर्थात् स्थापना दिवस महत्व रखता है। मराठी मानुस के लिए महाराष्ट्र (1.5), गुजराती भाई के लिए गुजरात राज्य (1.5) की स्थापना गौरव का विषय है। परन्तु उन्हें एक बात अवश्य ध्यान में रखनी होगी-भाषाई दृष्टि से राज भाषा का चाहे महत्व हो परन्तु राष्ट्र की संगठनात्मक दृष्टि से राष्ट्र भाषा हिन्दी को सर्वोपरि स्थान देना होगा। भारतेन्दु ने ठीक ही कहा था:

निज भाषा उन्नति अहे सब उन्नति को मूल।
बिन निज भाषा ज्ञान के मिटे ने हिय को शूल॥

यहाँ निज भाषा से तात्पर्य है राष्ट्र भाषा।

उपरोक्त विचारों को लिपिबद्ध करने का उद्देश्य यह है कि जब भारत विकास परिषद् की शाखाएँ संस्कृति सप्ताह (मास) के कार्यक्रम निश्चित् करें तो इन विषयों से भी कुछ बिन्दु चुने जा सकते हैं जैसे महापुरुषों की जीवनी, राष्ट्रभाषा का महत्व, धार्मिक स्थल, कव्य-पाठ, कथा वाचन आदि-आदि। सभी सचिवों से ऐसी अपेक्षा बनी रहेगी।

आइए! भारतीय संस्कृति के 'संस्कार' पक्ष को सदा प्राथमिकता दें, यही परिषद् का लक्ष्य है।

- डॉ॰ धर्मवीर सेठी

ALL CONCERNED OFFICE BEARERS ARE REQUESTED TO PLEASE ATTEND THE RESPECTIVE WORKSHOPS, MEETINGS AT CENTRAL OFFICE, BHARAT VIKAS BHAWAN, BD-BLOCK, BEHIND POWER HOUSE, PITAM PURA, DELHI

S. NO.	WORKSHOPS/MEETINGS	DATE	TIME
1.	**Workshop of Elected Prant Office Bearers** (Presidents, Secretaries & Treasurers of All Prants)	1st May, 2011	10 AM to 5 PM
2.	**National Workshop Organisational Matters** (All Add. Org.Secretaries, National Secretaries Vistar, Conveners Vistar & Zone/Prant Organising Secretaries)	15th May, 2011	10 AM to 5 PM
3.	**Workshop for Sanskar Karya** (National Chairmen, Vice Chairmen, National Secretaries,Conveners & Zone/Prant Secretaries Sanskar Karya)	29th May, 2011	10 AM to 5 PM
4.	**Workshop for Sampark Karya** (National Chairmen, Vice Chairmen, National Secretaries,Conveners & Zone/ Prant Secretaries Sampark Karya)	5th June, 2011	10 AM to 5 PM
5.	**Workshop for Sewa Karya** (National Chairmen, Vice Chairmen, National Secretaries ,Conveners & Zone/Prant Secretaries Sewa Karya)	12th June, 2011	10AM to 5 PM
6.	**Workshop for Finance/A/c & Audit** (National Chairmen, Vice Chairmen, National Secretaries,Conveners & Zone/Prant Secretaries Finance, A/c & Audit)	3rd July, 2011	10 AM to 5 PM

Please make sure your participation and inform the Central Office accordingly.

- **Surinder Kumar Wadhwa**, National Secretary General

CALENDAR OF ACTIVITIES: 2011-12

April 2011
1. Installation Meetings
2. Presentation and approval of the accounts
3. Membership Drive
4. Finalising of Calendar of activities for the whole year
5. Remitting of Central / Prant Share
6. Seminars

May
1. Workshop for Office Bearers
2. Membership Drive
3. Zonal Coordination Committee Meetings
4. Remitting of Central / Prant Share
5. Bal Sanskar Shivir
6. Seminars

June
1. Membership Drive
2. Remitting of Central / Prant Share
3. Bal Sanskar Shivirs
4. Seminar
5. Yuva Shivirs/Programmes
6. Seminars

July
1. Foundation Day Celebration (10th July)
2. Sanskriti Saptah (July - August)
3. Tree Plantation
4. Yuva Shivirs/Programmes

August
1. Independence Day Celebrations
2. Tree Plantation
3. N.S.G.S.C. - Branch Level
4. Bharat Ko Jano Competition- Branch Level
5. Sanskriti Saptah
6. N.G.S.C. - Branch Level

September
1. N.G.S.C Branch Level
2. N.S.G.S.C. - Branch Level
3. Zonal Executive Meetings
4. Guru Vandan Chhatra Abhinandan
5. Bharat Ko Jano Competition Branch level

October
1. N.G.S.C.- Prant Level
2. N.S.G.S.C.- Prant Level
3. Parivar Sanskar Shivir- All India Level

November
1. N.G.S.C.- All India Level
2. Guru Tegh Bahadur Balidan Diwas
3. Bharat Ko Jano - Prant Level
4. Zonal Coordination Committee Meetings

December
1. National Conference
2. N.S.G.S.C.- All India Level

January 2012
1. Prant Level Elections
2. Republic Day Celebration
3. Bharat Ko Jano - All India Level Competition
4. Vivekanand Birthday Celebrations
5. Zonal Executive Meetings

February
1. National Governing Board Meeting
2. Annual Elections of the branches

March
1. Annual Elections of the branches
2. Prantiya Council Meeting
3. Praudh Sanskar Shivir-All India Level

Notes :
1. Viklang Camps / Eye Care Camps /Sanskar Pradan Competitions & Seminars should be held throughout the year, whenever convenient.
2. Each branch should adopt at least one village/slum and rehabilitate at least 10 viklangs during the year.
3. Each branch must have at least one permanent project.
4. Many more programmes should be arranged, if possible.
5. To ensure remittance of Central/Prant share by 30th June as first installment and full & final payment by 30th September, 2011 positively.
6. To increase the Parishad's programmes.
7. To contact electronic media/print media and dignitaries in the area to give wide publicity and larger participation of the elite of the society in the Parishad's Programmes.
8. To arrange lectures / Seminars on the subjects of Public and National interest.

-**Surinder Kumar Wadhwa**, National Secretary General

राष्ट्रीय प्रौढ़ संस्कार शिविर ग्वालियर

17वां राष्ट्रीय प्रौढ़ संस्कार शिविर 5-6 मार्च 2011 को बोस्टन कॉलेज परिसर ग्वालियर में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति एम॰ रामाजोइस (पूर्व राज्यपाल झारखण्ड), मुख्य वक्ता गायत्री परिवार के डा॰ अमल कुमार दत्ता, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री ईश्वर दत्त ओझा, उपाध्यक्ष श्री वीरेन्द्र सभरवाल, राष्ट्रीय महामंत्री श्री सुरेन्द्र कुमार वधवा तथा प्रौढ़ संस्कार शिविर के राष्ट्रीय प्रकल्प अध्यक्ष एस॰एन॰ शर्मा उपस्थित थे।

अतिथियों का स्वागत प्रान्तीय अध्यक्ष श्री अशोक बांदिल ने किया, जिसमें उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर परिषद् के चल रहे कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला तथा प्रौढ़ संस्कार शिविर की आवश्यकता पर अपने विचार प्रस्तुत किये।

मुख्य अतिथि जस्टिस श्री एम॰ रामाजोइस ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति में धैर्य एवं संस्कार महत्वपूर्ण हैं जो किसी भी धर्म में नहीं हैं। स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि समाज के लिए जीना है, इंडिया को भारत बनाने की ज़रूरत है। यदि देश को भ्रष्टाचार से मुक्त करना है तो संस्कार से ही संभव है, कानून से नहीं। उन्होंने अच्छी आदतों को बढ़ाने और बुरी आदतों को कम करने पर भी ज़ोर दिया। हम सभी ने समाज व देश से बहुत कुछ लिया है तथा अब हमको समाज को क्या देना है यही प्रौढ़ संस्कार का विषय है।

राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष ईश्वर दत्त ओझा ने उपस्थित प्रौढ़ लोगों को उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने की सलाह दी तथा यह भी आग्रह किया कि उन्होंने जो भी संजोया है वह समाज को बाँटें। उन्होंने समय, ज्ञान, धन तथा योग्यता के दान पर ज़ोर दिया।

शिविर विभिन्न सत्रों में विभाजित था जिसमें अलग-अलग विद्वान् वक्ताओं ने अपने विचार रखे। शिविर में पधारे सभी प्रतिभागियों को इस अवसर पर ग्वालियर भ्रमण भी कराया गया। प्रतिभागियों को इस दौरान शिवाजी विश्वविद्यालय परिसर में पूर्व से चल रहे कार्यक्रम में आर्ट ऑफ़ लिविंग के प्रणेताश्री श्री रविशंकर जी महाराज को भी सुनने का सुअवसर मिला।

शिविर में सम्पूर्ण देश से लगभग 164 प्रतिनिधियों ने अपनी सहभागिता दर्ज करवाई। शिविर के सभी प्रतिभागियों ने शिविर की व्यवस्थाओं के लिए आयोजन की सराहना की तथा सभी लोग शिविर की मधुर स्मृति लिए अपने-अपने शहरों को रवाना हुए।

शिविर में ग्वालियर की सभी शाखाओं के प्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया तथा तन-मन-धन से सहयोग करके शिविर आयोजन को सफल बनाया।

UTKRISHTATA SAMMAN 2009-10

(In memory of Dr. Suraj Prakash, Founder Secy. General)

The Samman for the year 2009-10 is to be awarded for excellent work done in the field of **Village Development** (ग्राम विकास)।

Any individual/organization involved in the above work is eligible for this Samman. Kindly send nominations by 31.05.2011 to Bharat Vikas Parishad, Bharat Vikas Bhawan, Behind Power House, Pitampura, Delhi-110034, Ph.: 011-27313051, 27316049, E-mail : bvp@bvpindia.com

Harish Jindal,Chairman **Surinder Kumar Wadhwa** - National Secretary General

धर्म और संस्कार

धर्म शब्द के अनेक अर्थ हैं। **धर्मकर्त्तव्य** जैसे माता-पिता की आज्ञा का पालन करना पुत्र का धर्म है। गुरु के बताए मार्ग पर चलना शिष्य का धर्म है। **धर्मस्वभाव** या गुण जैसे-आग का धर्म है जलाना। पानी का धर्म है गीला करना।

ऋषियों ने धर्म की परिभाषा करते हुए बताया है कि जिससे सांसारिक तथा आध्यात्मिक उन्नति हो, वह धर्म है। अर्थात् वे विचार, सिद्धांत, नियम और आचरण धर्म कहलाते हैं जिनसे मनुष्य की सांसारिक, सामाजिक उन्नति के साथ आत्मिक उन्नति भी हो। संपूर्ण जीवन धर्म-कर्म के अन्दर आता है। कुछ लोग पूजापाठ को ही धर्म समझते हैं।

अंग्रेज़ी शब्द **'रिलिजन'** तथा उर्दू **'मज़हब'** बहुत संकुचित हैं। इनमें धर्म की व्यापकता नहीं है। इसलिए धर्म को रिलिजन या मज़हब समझना भूल है।

हिन्दु धर्म के अनुसार ईश्वर को पाने के अनेक मार्ग हैं। हर मनुष्य अपनी रुचि, शक्ति और योग्यता के अनुसार मार्ग यानी उपासना (पूजा) पद्धति अपना सकता है। इसलिए हिन्दुओं में अनेक प्रकार की पूजा पद्धतियाँ पाई जाती हैं, परन्तु उनमें आधारभूत एकता और सद्भावना है।

हिन्दु धर्म अत्यंत लचीला है। अपने मुख्य सिद्धांतों में परिवर्तन किए बिना, यह बदली हुई परिस्थिति के अनुरूप स्वयं को ढाल लेता है। हिन्दु धर्म चिर पुरातन होने के साथ ही साथ नित्य नूतन भी है। धर्म बुद्धि को बहुत महत्व देता है। वेदों के अनेक मंत्रों में ईश्वर से बुद्धि माँगी गई है। **गायत्री मंत्र में भी बुद्धि के लिए प्रार्थना की गई है।**

हिन्दु धर्म किसी एक व्यक्ति पर आधारित नहीं है। हमारे धर्म में भगवान राम और कृष्ण का बड़ा ऊँचा स्थान है। परन्तु हमारा धर्म उन पर निर्भर नहीं है, वह तो उनके भी पहले से है।

हिन्दु धर्म मनुष्य को आर्य या श्रेष्ठ बनाता है। सबसे पहले आर्य ऋषियों के हृदय में ही इस धर्म का ज्ञान परमेश्वर ने दिया। इसलिए इसको **आर्य धर्म** भी कहा जाता है।

वेद संसार के सबसे पुराने ग्रंथ हैं। सबसे पहले वेदों में ही इसका वर्णन मिलता है इस कारण इसको **वैदिक धर्म** कहा जाता है। हमारा समाज पहले आर्य कहलाता था। आजकल इसको हिन्दू समाज के नाम से जाना जाता है। आजकल इस धर्म को हिन्दू लोग ही मानते हैं, इसलिए उसको हिन्दू धर्म भी कहा जाता है।

हमारे धर्म को मानव धर्म, आर्य धर्म, वैदिक धर्म, सनातन धर्म और हिन्दू धर्म आदि अनेक नामों से जाना जाता है।

धर्म ग्रंथों में नारी का स्थान पुरुष से ऊँचा बताया गया है। नारी चाहे माता, पत्नी, बहन या पुत्री के रूप में हो, सदैव आदरणीय है।

यत्र नार्यस्तु पूज्यते रमंते तत्र देवता।

यत्रैतास्तु न पूज्यंते सर्वदास्तत्राऽफला क्रियाः।।

जहाँ नारी का आदर होता है, वहाँ देवता रहते हैं। जहाँ उनका आदर नहीं होता, वहाँ सारे कार्य निष्फल होते हैं।

हिन्दू धर्म में **संस्कारों** का बहुत बड़ा महत्व है। वेद-पुराणों तथा धर्मशास्त्रों में संस्कारों की आवश्यकता बतलाई गई है। ये संस्कार हमें हमारे पूर्वजों से मिले हैं। संस्कारों से हमारी आत्मा, हमारा अंतः करण शुद्ध होता है। जिस प्रकार अनेक रंगों का उचित उपयोग करने पर चित्र में सुन्दरता, आकर्षण एवं पूर्ण वास्तविकता आ जाती है उसी प्रकार संस्कारयुक्त होने से मनुष्य की बुद्धि और मन में सात्विकता एवं सर्वजनप्रियता का संचार होता है तथा उसको वास्तविक सुख-शान्ति के पथ का अनुभव होता है। अतः हमें अपने को पूर्णतः विधिपूर्वक संस्कारों से सम्पन्न करना चाहिए। हमारे सभी संस्कारों का समूह ही हमारी संस्कृति है। हमारी भारतीय संस्कृति में संस्कारों का बड़ा महत्व बताया गया है। शास्त्रों में संस्कारों को धर्म का बीज कहा जाता है। जैसे बीज से वृक्ष की उत्पत्ति होती है, उसी तरह संस्कारों से हमारे कर्म प्रकट होते हैं। और मानव का विकास होता है।

- महेश चन्द्र शर्मा

उत्कर्ष ग़ाज़ियाबाद, पश्चिमी उत्तर प्रदेश : शाखा द्वारा पवित्र कैलाश मानसरोवर यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यात्रा 10 जुलाई से आरम्भ होकर 22 जुलाई 2011 को वापस आयेगी। केवल 12 दिन में दिल्ली से दिल्ली कुल यात्रा खर्चा रु. 95500/- सरकारी कर एवं हवाई जहाज यात्रा खर्च सहित होगा। यात्रा में एक कदम भी पैदल नहीं चलना पड़ेगा। 70 वर्ष की आयु तक के परिषद् परिवार के इच्छुक सदस्य रु. 25000/- तथा अपने पास पोर्ट की कॉपी तुरन्त जमा करायें - सम्पर्क करें : 9810192728

संस्कृति सप्ताह - मार्गदर्शिका

संस्कृति सप्ताह परिषद् के पांचों स्तम्भ सूत्र संपर्क, सहयोग, संस्कार, सेवा और समर्पण का जीवन्त मूर्त रूप है। यह परिषद् के अत्यन्त लोकप्रिय कार्यक्रम 'विकास सप्ताह' 'परिषद् सप्ताह' के नाम से जाना जाता था। वर्ष 1986 में देश की अधिकांश शाखाओं में पूर्ण उत्साह से इसका आयोजन हो रहा है।

मूलतः संस्कृति सप्ताह परिषद् का प्रचार-प्रसार एवं जन-सम्पर्क का प्रमुख कार्यक्रम है। किसी संस्था द्वारा लिये जाने वाले कार्यक्रम उस संस्था की पहचान होते हैं तथा उससे प्रभावित होकर लोग उस संस्था से जुड़ते हैं। भारतीय संस्कृति एवं संस्कार युक्त कार्यक्रम समाज के सम्मुख रखकर परिषद् का नाम और प्रतिष्ठा बढ़ाना ही संस्कृति सप्ताह को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य है।

महिलायें समाज का अत्यन्त महत्वपूर्ण अंग हैं। बिना उनकी सक्रिय भागीदारी के समाज के सर्वांगीण विकास की कल्पना बेमानी है। परिषद् अपने स्थापना काल से ही इस महत्वपूर्ण बिन्दु पर सचेत है, इसीलिये परिषद् की सदस्यता एकल न होकर दम्पत्ति की है अर्थात् पति या पत्नी के सदस्य बनते ही उसका जीवन साथी भी परिषद् का सदस्य हो जाता है। महिलायें आगे बढ़ें, समाज के कार्यों में उनकी रुचि बढ़े, उत्तरदायित्व की भावना में वृद्धि हो और वे समाज की अग्रिम पंक्ति में अपना स्थान बनायें इस विचार से संस्कृति सप्ताह का आयोजन महिला सदस्यों द्वारा पुरुष सदस्यों के सहयोग से सम्पादित किया जाता है।

शाखायें स्वतंत्र हैं परन्तु कार्यक्रम परिषद् की मूल भावना के अनुरूप हों एवं समाज के सभी लोगों का हित देखते हुए लिये जायें। संस्कृति सप्ताह के राष्ट्रीय पुरस्कार की पात्रता हेतु शाखाएँ कार्यक्रमों का चयन करती हैं।

विचारणीय बिन्दु

क्षेत्र की भूमिका : क्षेत्रीय-महामंत्री एवं मंत्री संपर्क अपने क्षेत्र के प्रान्तों के महासचिवों एवं संयोजक संस्कृति -सप्ताह को प्रेरित करें कि वे अपने प्रान्त की शाखाओं के सतत् संपर्क में रह कर उन्हें संस्कृति सप्ताह के आयोजन हेतु प्रेरित करें तथा आख्या प्राप्त कर लें।

प्रान्त की भूमिका : प्रान्त की कार्यकारिणी गठित करते समय सक्रिय सुयोग्य महिला सदस्य को संयोजक संस्कृति सप्ताह नियुक्त कर दें एवं प्रान्तीय संयोजक का नाम, पता, फ़ोन नं० सहित क्षेत्रीय महामंत्री एवं केन्द्रीय कार्यालय हो भेज दें।

प्रान्त की परिस्थितियों एवं सुविधा की दृष्टि से इस हेतु निर्धारित त्रैमास जुलाई से सितम्बर में से किसी एक सप्ताह का चयन कर सभी शाखाओं से इन्हीं तिथियों में आयोजन हेतु अनुरोध करें ताकि पूरे प्रान्त में परिषद्मय वातावरण बन सके।

प्रान्तीय दायित्वधारी प्रान्तीय महासचिव की सहमति से शाखा कार्यक्रमों में अवश्य जायें ताकि उन्हें कार्यक्रमों की गुणवत्ता आदि की जानकारी हो सके। अपनी आख्या से वह प्रान्तीय महासचिव को अवश्य अवगत करा दें।

श्रेष्ठ आयोजन करने वाली शाखाओं को पुरस्कृत करें। दायित्वधारियों की आख्या पर विचार कर श्रेष्ठ आयोजन करने वाली शाखाओं का चयन कर सके।

अपने प्रान्त की आख्या 15 नवम्बर से पूर्व केन्द्रीय कार्यालय को निर्धारित प्रारूप में अवश्य भिजवा दें तथा प्रान्त द्वारा चयनित प्रथम आई शाखा की सूचना भी प्रेषित करें।

शाखा स्तर पर

1. देश की सभी शाखाओं में संस्कृति सप्ताह का आयोजन किसी महिला सदस्य की अगुवाई में होना चाहिये। सत्र के प्रारंभ में ही किसी सक्रिय सुयोग्य महिला सदस्य को संस्कृति सप्ताह का संयोजक आदि नियुक्त कर दें ताकि कार्यक्रम संयोजक नियुक्त करने के लिए पर्याप्त समय मिल सके। संयोजक का नाम, पता, फोन नं० सहित प्रान्त को सूचित करें।

2. प्रान्त द्वारा चयनित तिथियों में ही आयोजन करें।

3. सप्ताह में कम से कम पांच कार्यक्रम आयोजित करना आवश्यक है।

4. परिषद् परिवार में अनेक प्रतिभायें हैं। आवश्यकता है उन्हें उचित अवसर प्रदान कर आगे लाने की ताकि उनकी प्रतिभा समाज के सम्मुख आ सके और उसका समुचित उपयोग हो। इसलिये केन्द्रीय नेतृत्व ने संस्कृति सप्ताह में पारिवारिक, सांस्कृतिक आयोजन करना अनिवार्य कर दिया है। इसमें परिषद् सदस्य, परिषद् परिवार की महिलायें व बच्चे ही भाग ले सकते हैं। कार्यक्रम राष्ट्रभक्ति, भारतीय संस्कृति, लोक संस्कृति आदि पर आधारित होने चाहियें।

5. 15 अक्टूबर तक अपने प्रान्तीय महासचिव को अपने आयोजन की आख्या निर्धारित प्रारूप में अवश्य भेज दें। इस के साथ आयोजन का आमंत्रण पत्र, फोटो, समाचार पत्रों की कटिंग अवश्य संलग्न करें।

6. शाखायें संस्कृति सप्ताह के कार्यक्रम निर्धारित करने हेतु स्वतंत्र हैं परन्तु इस बात का विशेष ध्यान रखें कि कार्यक्रम सभी आयु, सभी वर्ग के लोगों के लिये हों तथा उनसे कहीं भी भारतीय संस्कृति व संस्कारों पर विपरीत प्रभाव न पड़े।

7. आपके कार्यों/आयोजनों का समुचित प्रचार-प्रसार हो इसलिये मीडिया का सहयोग अवश्य लें। संभव हो तो सप्ताह के प्रारंभ से पूर्व एक प्रेस वार्ता आयोजित कर समाचार पत्र प्रतिनिधियों (प्रिंट एवं इलैक्ट्रोनिक दोनों) को आयोजन की पूरी जानकारी दें। कार्यक्रमों में भी प्रेस को आमंत्रित करें तथा पूर्व में तैयार प्रेस नोट उन्हें दे दें ताकि उन्हें समाचार तैयार कते समय उपयुक्त जानकारी मिल सके।

8. संस्कृति सप्ताह मुख्यतः प्रचार-प्रसार एवं जन-संपर्क का कार्यक्रम है अस्तु समाज के सभी वर्ग के श्रेष्ठ लोगों को अपने आयोजनों में आमंत्रित करें। उन्हें परिषद् की जानकारी दें एवं अपने साथ जोड़ने का प्रयास करें।

कार्यक्रम सूची

1. सामयिक विषयों पर विचार गोष्ठी, परिचर्चा निबंध, भाषण एवं चित्र कला प्रतियोगितायें।

2. विभिन्न क्षेत्रों में अनुकरणीय कार्य करने वाले समाज के लोगों का सम्मान।

3. बच्चों के लिए भारतीय परिवेश के फैन्सी ड्रैस, नृत्य, गायन आदि।

4. विभिन्न खेल प्रतियोगितायें।

5. सामूहिक सरल विवाह, आयोजन अवधि में पड़ने वाले राष्ट्रीय एवं धार्मिक त्यौहारों का आयोजन। महिलाओं हेतु मेहन्दी, रंगोली, पूजा थाल सज्जा, पाक कला प्रतियोगिता। रेलवे स्टेशन पर स्वागत बोर्ड लगवाना। तुलसी आदि उपयोगी पौधों का वितरण एवं वृक्षारोपण।

6. समाज के सभी वर्ग के श्रेष्ठ जनों को परिषद् साहित्य उपलब्ध कराना। भजन संध्या, सांस्कृतिक कार्यक्रम। बाल संस्कार शिविर, व्यक्तित्व विकास शिविर, प्रौढ़ संस्कार शिविर, परिवार संस्कार शिविर, वंदे मातरम् गायन प्रशिक्षण एवं गायन प्रतियोगितायें।

NATIONAL EVENTS / PROGRAMMES OF THE PARISHAD TO BE HELD DURING 2011-12

The Prants who are interested in hosting any one of the following National Event (s) / Programmes during 2011-12 are requested to please send their proposals to the Central Office at the earliest but not later than 15th May, 2011. However, the proposals from the Branch(s), if any, may please be sent through their respective Prants only.

S. No.	Event / Programme	Appx.No. of Participants	Probable Months
1.	National Utkrishtata Samman	500	July, 2011
2.	National Office Bearers' Meeting	60	August, 11
3.	National Parivar Sanskar Shivir	300	October, 11
4.	National Group-Song Competition (NGSC)	700	November,11
5.	National Conference	3000	December, 11
6.	National Sanskrit Group-Song Competition (NSGSC)	550	December,11
7.	Bharat Ko Jano Competition	400	January,2012
8.	National Governing Board Meeting	200	February, 12
9.	National Praudh Sanskar Shivir	300	March, 12

- **Surinder Kumar Wadhwa**, National Secretary General

"You Also Can Become a Writer"

Read a book on the above subject

by

Suresh Chandra

Anne Karen Trollope

Price Rs. 95/- Available in Central Office

राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता : मार्गदर्शिका

भारत विकास परिषद् जनमानस में देश-प्रेम की श्रेष्ठ भावना के जागरण के उद्देश्य से प्रतिवर्ष राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता का आयोजन करती है।

इस सम्बन्ध में आवश्यक विवरण व नियम निम्न प्रकार हैं:-

प्रतियोगी कौन

- इस प्रतियोगिता में कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थी भाग ले सकेंगे।
- प्रतियोगिता में संगीत विद्यालयों को प्रवेश नहीं मिलेगा।

प्रतियोगिता का स्वरूप एवं नियम

प्रान्तीय स्तर तक 'चेतना के स्वर' पुस्तिका से चुने हिन्दी गीतों की प्रतियोगिता होगी। राष्ट्रीय स्तर पर यह प्रतियोगिता हिन्दी गीतों के अतिरिक्त प्रादेशिक भाषा में भी (देशभक्ति से ओत-प्रोत गीतों की) आयोजित होगी।

हिन्दी भाषा गीत प्रतियोगिता

1. हिन्दी के कुछ श्रेष्ठ चुने हुए गीतों को समाज में लोकप्रिय बनाने की दृष्टि से परिषद् द्वारा 'चेतना के स्वर' पुस्तिका बनाई गई है। हिन्दी भाषा गीत प्रतियोगिता में इसी पुस्तिका से चयनित गीत हिन्दी भाषा में ही प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
2. 'चेतना के स्वर' से लिया गया सम्पूर्ण गीत, बिना किसी अंश को छोड़ या जोड़ निश्चित् समय में प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
3. गीत के प्रस्तुतीकरण के समय गीत के भावानुसार अपने स्थान पर ही रहकर शरीर के हाव-भाव प्रदर्शन की अनुमति है।
4. भाग लेने वाली टीम, वादक व वाद्य यंत्र एवं वादकों में से प्रत्येक की अधिकतम संख्या तीन होगी। कोई भी विद्युत या बैटरी चालित यंत्र प्रयोग में नहीं लाया जा सकेगा। इन वाद्य यंत्रों के प्रयोग हेतु वादकों की संख्या, गीत गाने वाले विद्यार्थियों से अलग होगी।
5. एक टीम में गायकों की संख्या 6 से 8 (छात्र/छात्राएँ या दोनों) होगी।
6. प्रत्येक टीम को प्रतियोगिता में अपने समूहगान प्रदर्शन के लिए अधितकतम समय सात मिनट का मिलेगा। इसकी गणना गीत या संगीत जो भी पहले आरम्भ होगा, उससे की जाएगी। इस अवधि से अधिक समय लेने पर टीम द्वारा प्राप्त अंकों के योग में से 5 अंक काट लिए जाएँगे।
7. अधिकतम प्राप्तांक संख्या 100 होगी। ये अंक निम्न रूप से 20-20 के अंशों में बाँटे जायेंगे: संगीत संयोजना, स्वर, ताल, उच्चारण एवं प्रस्तुतीकरण।
8. वे स्वर रचनाएँ अधिक अच्छी समझी जायेंगी जो शास्त्रीय (हिन्दुस्तानी या कर्नाटक) संगीत से प्रेरित या लोकगीतों अथवा प्रादेशिक धुनों पर आधारित होंगी।
9. प्रतियोगिता में भाग लेते समय प्रत्येक टोली को किसी भी प्रकार की वेश-भूषा पहनने की अनुमति है, विद्यालय का बैज/बैल्ट, संकेत चिन्ह आदि का प्रयोग करना वर्जित है।
10. गीत प्रस्तुतिकरण से पूर्व मंच पर किसी भी प्रकार की भूमिका की अनुमति नहीं है।
11. प्रस्तुतिकरण के समय टीम द्वारा अपने विद्यालय का नाम बताना वर्जित होगा।
12. निर्णायक मण्डल में अनुभवी संगीतज्ञ, कला विशेषज्ञ व भाषा विद्वान् होंगे। परिषद् द्वारा घोषित माननीय निर्णायकों का निर्णय अन्तिम व सर्वमान्य होगा।
13. संयोजन समिति को राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता से सम्बन्धित किसी भी विषय में निर्णय लेने का पूर्ण अधिकार होगा।

कुछ अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु:

- राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगता में ध्वनिवर्धक यंत्र (Loud speaker) का प्रयोग किया जा सकता है, परन्तु ये यंत्र स्टैण्ड पर रखने के बजाय मंच पर लटके हुए (Hanging Mike) होने चाहिए। वादकों को अलग से ध्वनिवर्धक यंत्र

(Mike) नहीं दिये जायेंगे।

- प्रतियोगिता के कुछ समय पूर्व टीम के प्रमुखों (Leaders) को एक विशेष बैठक में बुलाया जाएगा, जिसमें आयोजन समिति के संयोजक द्वारा सभी के सामने गीत प्रस्तुतिकरण के क्रम आदि का निर्णय ड्रॉ द्वारा किया जाएगा। संयोजक का निर्णय अन्तिम और सभी के लिए मान्य होगा।
- शाखा स्तर पर प्रथत आने वाली टीम ही प्रान्तीय स्तर पर व प्रान्त स्तर पर प्रथम आने वाली टीम ही अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में भाग ले सकेंगी। यदि किसी कारणवश प्रथम स्थान पाने वाली टीम भाग नहीं ले पाती तो द्वितीय स्थान पाने वाली टीम भाग ले सकेगी। परन्तु इसकी सूचना राष्ट्रीय प्रतियोगिता के संयोजक के पास पहले ही पहुँच जानी चाहिए।
- प्रत्येक टीम के साथ उसी विद्यालय के एक शिक्षक का आना अनिवार्य है।
- सभी टीमों के लिए पुरस्कार-वितरण समारोह में उपस्थित रहना अनिवार्य है।
- प्रस्तुति के समय टीम के सदस्यों को मंच पर जूते पहनकर जाने की अनुमति नहीं होगी।

राष्ट्रीय स्तर पर होनेवली (क्षेत्रीय) भाषा गीत प्रतियोगिता के नियमः-

1. राष्ट्रीय स्तर पर 'प्रादेशिक भाषा गीत प्रतियोगिता' ऐच्छिक है परन्तु 'चेतना के स्वर' के हिन्दी गीतों की प्रतियोगिता में भाग लेना अनिवार्य होगा।
2. राष्ट्रीय स्तर पर प्रादेशिक भाषा गीत प्रतियोगिता में, प्रान्त के 'चेतना के स्वर' के हिन्दी गीतों की प्रतियोगिता में प्रथम आयी हुई टीम ही भाग ले सकेगी।
3. प्रादेशिक भाषा के राष्ट्रीय गीत का चयन टोली स्वयं करेगी। जिस गीत का चयन करेंगे, वह देशभक्ति भाव का गीत होना चाहिए। प्रादेशिक रीति रिवाज़, शादी आदि के भाषा गीत मान्य नहीं होंगे। चयनित गीत का हिन्दी या अंग्रेजी अनुवाद प्रतियोगिता से पूर्व (ड्रॉ के समय) अनुमति देने हेतु जमा करना अनिवार्य होगा।
4. प्रादेशिक भाषा गीत प्रतियोगिता में प्रस्तुतिकरण के समय हाव-भाव दर्शाने की स्वतंत्रता है परन्तु स्थान बदलने की अनुमति नहीं है।
5. इस प्रतियोगिता के नियम व पुरस्कार राष्ट्रीय समूहगान (चेतना के स्वर) प्रतियोगिता के अनुसार ही होंगे।
6. इस प्रतियोगिता में उसी टीम के प्रतियोगी भाग ले सकेंगे जो कि राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं।

पुरस्कार व सम्मान

- प्रतियोगिता की विजेता टीमों के लिए अलग-अलग प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं प्रोत्साहन पुरस्कर होंगे। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रत्येक प्रतियोगी को भी प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा।

आवश्यक सूचना

प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीम को आने-जाने का किराया व सम्बन्धित व्यय स्वयं वहन करना होगा।

'चेतना के स्वर' पुस्तक

यह पुस्तक राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता में गाए जाने वाले गीतों की राष्ट्रीय स्तर पर तैयार की गई पुस्तक है। सभी शाखायें, विद्यालयों में भेजे जाने वाले परिपत्र के साथ, अपनी ज़रूरत के अनुसार प्रान्त संयोजक के पास पुस्तक का तय किया हुआ शुल्क भेजकर समय पर इसे मंगा लें जिससे भाग लेने वाले विद्यालय को समय पर भेजकर उनको तैयारी के लिए समय दिया जा सके। शाखा स्तर पर प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टोली के प्रत्येक छात्र/छात्रा/वादक को 'चेतना के स्वर' पुस्तक अवश्य दें जिससे कि इस कार्यक्रम के उद्देश्य की पूर्ण रूप से पूर्ति हो सके।

खेरवाड़ा उदयपुर, राजस्थान दक्षिण : प्रान्तीय अधिवेशन 13 मार्च 2011 को सीमलवाड़ा (डूंगरपुर) में सम्पन्न हुआ, जिसमें शाखा को वर्ष 2010-2011 में उत्कृष्ट कार्य करने पर सम्मानित किया गया। सम्मानित मंचासीन अतिथियों द्वारा मीडिया प्रभारी पारस जैन, शाखा अध्यक्ष प्रवीण चन्द्र पण्ड्या, सचिव कमल प्रकाश जैन, कोषाध्यक्ष नरेश अग्रवाल को सम्मान पत्र एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। **- हर्दिक बधाई - सम्पादक**

GURU VANDAN-CHHATRA ABHINANDAN

GUIDELINES FOR BRANCHES

Objective: The primary purpose of this programme is to imbibe in the minds of children the idea of respecting their parents & teachers, whose blessings will enable them to be successful in life.

Methodology : The following will be done at brach level.If local conditions so require, the branches are free to bring in changes in these guidelines by keeping the objective in focus.

1. This programme is organised by the branches in schools, Colleges and other Institutions (SCIs) at a time convenient to their authorities on any day from 1st April to 15th Oct.
2. In the beginning of the year, the branch should appoint a member as Convener to get this programme organized at all or most of the SCIs in and around the branch area. The branch can cover SCIs of other areas/villages also if no other branch is covering such schools, colleges or any other institutions.
3. The Convener will form several groups, with a group leader, each consisting of 4 to 7 members by involving all the members of the branch (including spouses) and allot one or more SCIs to each group. It is to be ensured that the members visit at least one such SCI, which are in their neighbourhood.
4. The group leader with some members of his group will visit the SCIs with BVP literature.
   a) He will explain the entire programme to the Principal or other authority and decide the date, time and venue for the programme.
   b) Ascertain the number of students & teachers of SCI and make sure that almost all of them attend the programme.
   c) Obtain the names, residential addresses and contact numbers of students who are to be honourd (Suggested criteria for selection are given on next page). And send invitations to their parents for their presence on the programme day.

   About 10 days in advance the group leader will send invitations to the students and their parents and inform the Press/Media about the programme for their coverage. He/She will also request for coverage under "Today's Engagement" column.
5. About 2-3 days before the Programme, 3-4 banners will be put in and around the SCI premises that is to be visited.
6. On the Programme day, he/she will carry certificates, flowers, banners, cameraman, etc.
7. The Programme, preferably will be taken in General Assembly (wherever possible) and by and large it will be as follows:
   - Welcome by the School Principal.
   - Introduction of BVP and its activities at branch level by a BVP member.
   - Speech on significance of parents and Guru-by a BVP member.
   - Oath suggested hereunder to be taken by all the persons attending the programme.
   - BVP members honouring selected students by giving them certificates. Criteria for selection of students given on the next page.
   - Vote of Thanks-by a BVP member.
   - All the Students wil pay their respect to all of their teachers and take their blessings by touching their feet.
   - In case of large numbers, the students may be divided in several groups to take blessings from 1 or 2 teachers and the seating arrangement should be made accordingly to save time and avoid chaos.

- The Oath

8. After the programme the group Leader will send a report to the Press, if they have not covered, with photographs and also to the Central Office for NITI.
9. Members visiting the SCIs are required to prepare a report and submit it to the branch convener/ secretary.
10. Branch convener/secretary is required to organize "Teachers Meet" by inviting all the teachers of SCIs which participated in GVCA and felicitate selected teachers and students. (If not already honoured in General Assembly)

    Suggested criteria for selection teachers is given below.

    Branch Convener/Secretary is required to send a report to the prant.

Suggested Criteria for selection of Teachers & Students for Awards:

For Teachers:

A. Principal, Vice-Principal, Head Master/Mistress.
B. Who has been long in service with the School, SCI.
C. Whose efforts have been recognized/ awarded/honored by Central/State/Prestigious Institutions/Body in any field.
D. Who has been sent abroad in Teachers Exchange Program?
E. Who has authored books or written articles for good causes.
F. Who has excelled in any extra-curricular activities?
G. Whose subject result was 100% in the last Board/University/Institution Examination.

For Students:

A. Who has stood First in the Class.
B. Who is School Captain or House Captain or Sports Captain, etc.
C. Who has participated in the National/State/Parade on Independence Day or Republic day (15th August or 26th January)
D. Who has scored highest marks in the school in any subject in the Board/University/Institution Examinations.
E. Who has won in the National/State/Prestigious Competitions in any field.
F. Who has been honoured by Central/State/Prestigious Institutions.
G. Who possess Extra-ordinary talent in Sports, Cultural Activities, Painting, Arts & Crafts, Music, Debate etc.
H. Who has taken part in NCC, Junior Red Cross, Scouts & Guides, Mountaineering etc.

N.B. The programme should be held during the period 1st April to 15th October and report sent to Prant by 31st October.

OATH

(To be taken by all the persons present at the programme)

"I solemnly resolve that I will always pay due respect to my parents, teachers, women and elders. I will discharge my duties and responsibilities keeping in mind the national culture, traditions, moral values and civil rights. I will try to "be the best and make others too the best." Throughout my life I will neither smoke nor consume any narcotic product in any form."

SEMINARS

In a democratic Society free and fair intellectual discourse is needed to generate new ideas and working methodologies for the development of the society and the nation. In the conference, people of diverse fields present their views and in the lectures people just listen and can hardly enquire about a point. The mutual interaction remains scarce.Therefore to strengthen SAMPARK program with energetic and determined young graduates, post graduates, research scholars, professional graduates and other intellectual groups of the society, BVP decided to hold seminars on the contemporary subjects of national interest and welfare of humanity in the Institutions of Higher Education.

WHY THE SEMINARS

(a) Young and Energetic India: India is emerging as a world power. The economy is booming, flow of ideas is free and 70% population of India is young. It has largest scientific and technical man power in the world and is getting ready to land on the moon. It has nuclear power and controlled devices and leading in the information technology and software industry. Industrial sector is growing, buying industries in the world and developing innovative technologies. Education and medical sectors are expanding to reach every one. There is revolution in connectivity through roads, trains, air and electronic media.

(b) Spiritual Superiority: World bodies are accepting our spiritual knowledge, Ayurvedic treatment and Yog Vidya, Fine arts, music and dance are being appreciated, and Vedas and Upnishads are being studied. Modern science is converging to Indian philosophy. Indian minds are consistently proving their superiority in all walks of life. If Einstein gave the mass-energy relation for technological revolution, Gandhi gave the message of Truth and Non-Violence for universal peace and prosperity.

(c) Alienation of young educated: The young educated is unaware of our ancient language Sanskrit, *Rashtra Bhasha* Hindi and even their own mother tongue. They know little about Vedas, Upanishads, Ramayana, Mahabharat, Geetanjali and other great epics of all time and glorious past of India. Their knowledge of Indian mathematics, science, medicine, agriculture, philosophy, music and dance is limited. The fragmentary way of western life is their role model and sometimes they even hesitate to say that they are proud Indians.

The basic principles of Indian culture are sound and based on truth and morality. But culture is ever expanding and developing. We must keep our windows open to new ideas but should remain firmly rooted in our fundamentals.

EXISTING STUDENTS CONTACT PROGRAMS

BVP has NGSC, BKJ, BAL SANSKAR and SAKSHARTA projects which operate in the schools upto +2 levels. SEWA projects are for the general public. However BPV has no program for the students and teachers in the **Higher Education Institutions and other intellectual groups of the society.**

SEMINAR IN COLLEGES AND UNIVERSITIES

The students in these institution have voting right. All the political parties have active youth branches in these institutions. At the same time, students in these institutions are in a very sensitive age group. They are independent, self motivated, very energetic and trying their best to attain their goals. In general they know what they are doing and they are determined to achieve it. The intellectuals are the guiding forces. This group of young graduates and intellectuals will lead the nation in the coming decades. BVP has taken up the **contact** program through **Seminars** in this vibrant atmosphere.

ORGANIZATION OF SEMINARS

1. **Aim** : The aim is two fold : (a) to convince the young mind that you are the great citizens of India *(Shreshtha Bhartiya Nagrik).* You are the blessed ones that you are born and brought up in BHARAT BHUMI. (b) to reinforce **Bhartiya Sanskar** in the young, educated and intellectuals of the society.
2. **Targets:** (a) Young college/University students: Graduates, postgraduates, Research Scholars,

Professional graduates: Medical Engineering, Polytechnics, Computers, Business, Law, Pharmacy and other branches. (b) Intellectuals of the society: Teachers, Advocates, Doctors, Engineers, Chartered Accountants, Journalists, Authors, Artists etc.

3. **Subject of Seminars:** Seminar is a part of SAMPARK program. Therefore, the choice of subjects should be pertinent to the audience and the speaker. The students and intellectuals in these institutions may like to listen on the subjects of current interest in the fields of economy, management, science and technology, sports, prevailing social and political problems and other matters of national and international interest. The seminars on moral ethics will greatly influence the young minds. However the subject matter of these seminars should not violate our cultural and social value system.
4. **Seminar Venue:** The campus of Colleges, Universities and other Institutions of Higher Education.
5. **Nature of Seminars**: (a) **One or Two Hour Seminar Programs:** One or two hour seminars by eminent speakers should be held, preferably in the evening on working days in the campuses of Educational Institutions for a large number of students and teachers.

   (b) **Lectures by Eminent persons:** Lecture by a person of eminence on the subject of his specialty in the campus of educational institutions, for the benefit of the society.
6. **Financial Obligations**: Parishad will have to bear all the expenses for the preparations of seminars including invitation cards, stage decoration, banners, mementos and TA/DA of speakers. The Prant and Branch Adhikaris will take the final decision.
7. **Approach to the Institution:** A committee of two/three members of BVP should contact the teachers of the institution and convince them to hold the seminar on subjects of students' genuine interest by learned speakers. They must be told that BVP will bear the financial burden and the institution will provide infrastructural facilities. The speaker should be an authority on the subject and should command respect from both the teachers and the students. The formal permission should be taken from the Head of the Institution. Invitations should be extended to all the teachers and students of the institution along with other BVP members. The members of the institution must be given respectful recognition in the program.
8. **Schedule for seminar:** The seminar should start with (a) Deep Prajwalan (b) Rashtra Geet (c) Brief introduction of BVP (d) Brief introduction of speakers (e) At the end Rashtra Gaon

   Arrangements of Coffee/Tea before or after the seminar as the situation demands.
9. **Record:** Efforts should be made to have a written manuscript of about 1200 words from the speakers. If that is not possible short hand writer/tape recorder may be used to record the lecture. It can be typed, edited, and the manuscript should be approved by the speaker.
10. **Report**: Report should be sent to the Central Office BVP Delhi within a week from the date of seminar under the following heads: Zone, Prant, Branch, Day & Date of seminar. Name, Designation & address of the speaker, Name and address of the Institution. Subject and abstract of seminar and attendance.

AN APPEAL

Each year, each prant should hold at least 2 to 3 seminars in different institutes of higher learning in different cities.

SOME SUGGESTED TOPICS FOR SEMINARS

● Citizens in democratic system. ● Electoral system of India; its loopholes and reformations required. ● Eternal message of Ramayana. ● *Panch Gavya* and Gomata in the present context. ● Educational Reforms. ● Criminalisation of Politics. ● My Vision of India. ● India as a knowledge society. ● India in the emerging global order. ● Our Youth-Our asset. ● Or on some major event unfolding in the country at that time. ● The list can be a long one.

The subject may be fixed after discussions with the head of the institution and the main speaker.

भारत को जानो प्रतियोगिता : मार्गदर्शिका

भारत को जानो प्रतियोगिता का प्रारूप एवं नियम

प्रतियोगिता का प्रारूप : यह प्रतियोगिता दो वर्गों में होगी। कनिष्ठ वर्ग में कक्षा 6 से 8 तक तथा वरिष्ठ वर्ग में कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थी भाग ले सकते हैं। इसे निम्न 4 चरणों में सम्पन्न कराया जाएगा।

1. **शाखा स्तरीय : लिखित परीक्षा**-प्रथम चरण में प्रत्येक शाखा अपने क्षेत्र में आने वाले सभी विद्यालयों के प्राचार्यो/अध्यापकों से सम्पर्क कर अधिक से अधिक विद्यार्थियों के बीच एक लिखित सामान्य ज्ञान परीक्षा आयोजित करेगी। इसमें सभी प्रश्न केवल भारत से सम्बन्धित होंगे। सभी विद्यालयों में एक ही दिन परीक्षा आयोजित की जायेगी। प्रश्नपत्र यथासम्भव प्रान्त द्वारा बनाये जाने चाहिएँ। सहायता के लिए एक विस्तृत प्रश्नोत्तर बैंक ''भारत को जानो'' पुस्तिका में दिया गया है। यह प्रश्नोत्तर बैंक मात्र दिशा निर्देश के लिए है। वास्तविक प्रश्न पत्रों में प्राय: अन्य प्रश्न इसी प्रकार के हो सकते हैं। प्रत्येक विद्यालय के दोनों वर्गो में प्रथम तथा द्वितीय आने वाले विद्याथियों की एक-एक टीम बनेगी।

2. **शाखा स्तरीय- प्रश्न मंच** - दूसरे चरण में शाखायें, प्रत्येक विद्यालय में प्रथम व द्वितीय विद्यार्थियों से बनी टीमों के बीच प्रश्न मंच आयोजित करेगी जिसमें केवल भारत से सम्बन्धित, विभिन्न विषयों से सम्बन्धित प्रश्न हर टीम से पूछे जायेंगे। इस प्रतियोगिता में प्रयुक्त की जाने वाली पद्धति का नमूना इसी पुस्तिका में उपलब्ध हैं। इस प्रकार दोनों वर्गों में प्रथम आनेवाली टीमों का प्रान्त स्तरीय प्रतियोगिता हेतु चयन किया जायेगा। चयनित टीम के दोनों विद्यार्थी एक ही विद्यालय के होने चाहिएँ।

3. **प्रान्त स्तरीय**- प्रत्येक शाखा से चयनित प्रथम टीमों के मध्य प्रान्त प्रश्नमंच प्रतियोगिता आयोजित करेगा। इस चरण में प्रथम आने वाली दोनों वर्गो की टीमें राष्ट्रीय स्तर पर प्रश्नमंच प्रतियोगिता में भाग लेंगी।

4. **अखिल भारतीय स्तर :**-चतुर्थ चरण अ.भा. स्तर पर आयोजित होगा जिसका प्रारूप केन्द्रीय समिति निर्धारित करेगी तथा उसे अखिल भारतीय प्रतियोगिता से एक माह पूर्व सभी प्रान्तों को सूचित करेगी।

नोट :-

1. लिखित प्रश्नपत्र प्रान्तीय स्तर पर बनवाकर सभी शाखाओं को वितरित कर प्रान्त की सभी शाखाओं में एक ही दिन व समय पर प्रतियोगिता आयोजित करानी चाहिए। प्रश्नपत्रों का मूल्य शाखा से लिया जा सकता है।
2. यदि किसी नगर में एक से अधिक शाखायें हैं तो वे मिलकर नगर के सभी विद्यालयों में एक साथ प्रतियोगिता करा सकती हैं अन्यथा अलग-अलग शाखायें अलग-अलग क्षेत्रों के विद्यालयों में एक ही दिन प्रतियोगिता करायें। यह ध्यान रखें कि एक ही विद्यालय एक से अधिक शाखाओं के माध्यम से प्रतियोगिता में भाग न ले पाये।
3. इस प्रकल्प को आत्मनिर्भर बनाने की दृष्टि से शाखाएं प्रतियोगियों से नाम मात्र का पंजीयन शुल्क ले सकती हैं। प्रान्तीय टीमों को अ.भा. प्रतियोगिता में भेजने की ज़िम्मेदारी प्रान्त की होगी।
4. प्रत्येक शाखा लिखित परीक्षा की प्रतिभागी संख्या के अनुसार 25 पैसे प्रति प्रतिभागी प्रान्त के माध्यम से केन्द्र को भेजेंगी। चाहे उसने प्रतियोगियों से शुल्क लिया हो या नहीं। इसी आधार पर प्रतियोगियों की संख्या का आकलन किया जाएगा।
5. जिन प्रान्तों से शुल्क नहीं प्राप्त होगा उन्हें केन्द्र द्वारा घोषित पुरस्कारों की सूची में स्थान नहीं मिलेगा।
6. प्रत्येक शाखा को चाहिए कि उनके द्वारा चयनित प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त प्रतियोगी को प्रत्येक वर्ग तथा दोनों चरणों में पुरस्कृत किया जाए। इसी प्रकार प्रान्तीय स्तर पर प्रान्त द्वारा तथा केन्द्रीय स्तर पर केन्द्र द्वारा पुरस्कार तथा प्रमाण पत्र की व्यवस्था की जायेगी।
7. प्रान्तीय स्तर तक क्षेत्रीय भाषा में भी प्रतियोगिता की जा सकती है परन्तु राष्ट्रीय स्तर पर केवल हिन्दी एवं अंग्रेज़ी विकल्प रहेगा।
8. यदि किन्हीं अपरिहार्य एवं पुष्ट (Valid) कारणों से प्रथम स्थान प्राप्त टीम प्रान्त अथवा केन्द्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने न जा पा रही हो तो शाखा/प्रदेश के आश्वस्त होने पर द्वितीय स्थान प्राप्त टीम को प्रतियोगिता में भेज सकते हैं।
9. प्रान्तीय संयोजक/महासचिव को यह प्रमाणित करना होगा कि वे जिस टीम को प्रतियोगिता में भेज रहे हैं, उसने पहले तीनों चरणों में भाग लिया है, अन्यथा टीम प्रतियोगिता में भाग नहीं ले सकेगी।

10. शाखाओं/प्रान्तों से आने वाली टीमों-जिनमें दो प्रतियोगी छात्र, एक उनके विद्यालय का शिक्षक तथा एक उनकी शाखा का भारत को जानो का संयोजक शामिल होंगे- के खाने व रहने की व्यवस्था आयोजक करेंगे।

11. शाखाओं/प्रान्तों से आने वाली टोलियों को आने जाने का किराया तथा सम्बन्धित व्यय स्वयं वहन करना होगा।

12. प्रतियोगिता में आने वाली टोलियों के लिए आवश्यक होगा कि वे प्रतियोगिता से 20 दिन पूर्व प्रतियोगिता के स्थानीय आयोजक तथा राष्ट्रीय संयोजक को अपने पहुँचने की निश्चित तारीख व समय सूचित करें। जो टोलियाँ अपने रहने व खाने का प्रबन्ध स्वयं करना चाहें वे कृपया 20 दिन पहले सूचित कर दें।

13. अखिल भारतीय स्तर पर भाग लेने वाली टोली प्रवेश पत्र के साथ प्रवेश शुल्क के रूप में 200/-रुपये की राशि का भुगतान नकद अथवा बैंक ड्राफ्ट के द्वारा करेगी। ड्राफ्ट 'भारत विकास परिषद् (आयोजन स्थल)' के पक्ष में होगा। टोली में उपरोक्त 4 व्यक्तियों के अतिरिक्त किसी भी अन्य व्यक्ति के लिए 500/- रुपये प्रति व्यक्ति प्रतिदिन के हिसाब से अलग से शुल्क देय होगा जिसकी सूचना 20 दिन पूर्व देनी आवश्यक होगी।

14. भारत को जानो प्रकल्प के प्रान्तीय संयोजक, राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अनिवार्य रूप में उपस्थित रहेंगे। उनके खाने व रहने की व्यवस्था निःशुल्क रहेगी।

15. संयोजन समिति को भारत को जानो अखिल भारतीय प्रतियोगिता से सम्बन्धित किसी भी विषय में निर्णय लेने का पूर्ण अधिकार होगा। यह समिति आवश्यकता पड़ने पर बिना पूर्व सूचना दिए स्थान, समय, तिथि व कार्यक्रम आदि में फेरबदल कर सकेगी तथा किसी भी प्रतियोगी टीम के प्रदर्शन को रद्द करने या रोकने की अधिकारी होगी।

16. अखिल भारतीय स्तर की दोनों वर्गों की प्रतियोगिता में विजेता टीमों तथा विद्यालयों के लिए पुरस्कार होंगे। प्रत्येक प्रतियोगी को प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे।

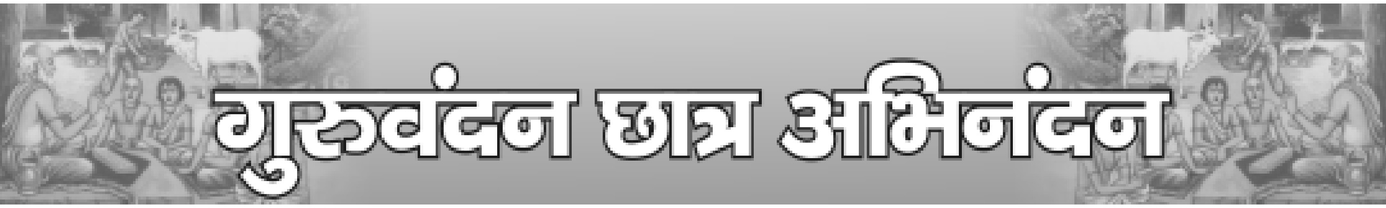

PUNJAB EAST

Chandigarh South-I : GVCA was organized in Government Model Senior Secondary School, Sector 47 on 26.02.2011. Dr. K.L. Passi, Patron of Zone-1, was the Chief Guest and Monica Maini Principal of the school presided. 6 students of the school who stood first, second and third in classes 8th and 10th were honoured. Two teachers who are incharge of Bharat Vikas programmes in the school were also honoured. Nearly 200 students and 50 teachers participated. Students presented flowers to teachers and sought their blessings. All students took oath of honesty and integrity as used to be administered to students by Dr. APJ Abdul Kalam, our former President.

GUJARAT NORTH

Prant opened its 21st branch in the interior village of B.K. Distt. at village Vav. Opening ceremony was held on 22.03.2011 & Sant Mahant Pagalbaba also remained present. Zone 13 Chairman Dr. Ajaybhai Joshi, delivered his speech regarding the constitution of BVP in detail & explained the importance of Sanskar & Seva programmes.

विकलांग सहायता

ब्रह्मावर्त

गोविन्द, कानपुर : 18 फ़रवरी 2011 को स्वीट हाई स्कूल 'के' ब्लाक गोविन्द नगर में वृद्ध विकलांग शिविर लगाया गया। शिविर में 127 विकलांगों का पंजीकरण हुआ। 20.2 को शाखा द्वारा आयोजित एक समारोह में मुख्य अतिथि विधायक अजय कपूर ने परिषद् द्वारा चलाये जा रहे समाज कल्याण के कार्यों की प्रशंसा की एवं समारोह की अध्यक्षता कर रहे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रवीन्द्र पाल शर्मा ने शाखा द्वारा पंजीकृत 127 में से 3 को ट्राई साइकिल, 2 को व्हील चेयर, 15 को पैर, 5 हो हाथ,

15 को कैलीपर्स, 30 को बैसाखी, 1 को हैण्ड ग्लोव और 5 को कान की मशीन आदि वितरित किये। संचालन सचिव श्रीमती डिम्पल जुनेजा ने किया तथा आभार अध्यक्ष श्रीमती ब्रिज सोटा ने किया। समारोह में सर्वश्री रामशरण श्रीवास्तव, शशि भूषण गुप्ता, अजय नारायण अग्रवाल, श्रीमती रमा खन्ना, डा॰ करुणा अग्रवाल, श्रीमती निर्मल कुमारी आदि ने प्रमुख रूप से भाग लिया।

राजस्थान पश्चिम

सुमेरपुर, शिवगंज : शाखा के आर्थिक सहयोग से 07.01.2011 को पंचायत समिति में विकलांगों के कृत्रिम अंग बनाने हेतु परिषद् विकलांग केन्द्र अहमदाबाद द्वारा नाप लिये गये। 25.01.2011 को 12 पैर, 3 हाथ स्टीक, तथा 4 बैशाखी विकलांगों को वितरित किये गये। शिवचरण मीणा उपखण्ड अधिकारी शिवगंज, नन्दकिशोर राजौरा तहसीलदार, डा॰ कौशल ओवरी ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी, शाखा अध्यक्ष शिवकुमार अग्रवाल, विकलांग प्रकल्प प्रमुख प्रवीन बी॰ जैन का सहयोग रहा।

हिमाचल प्रदेश

नगरोटा बागवाँ (कांगड़ा) : विकलांग सहायता हेतु शाखा द्वारा विकलांग पुनर्वास संस्था में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुशला सूद की अध्यक्षता में कार्यक्रम में मुख्यातिथि नगर परिषद् अध्यक्ष हिमाद्री सोनी ने शारीरिक रूप से विकलांग 7 व्यक्तियों को कृत्रिम अंग भेंट किए। श्रीमती कुशला सूद ने अपनी स्वैच्छिक निधि से संस्था को 11 हज़ार रुपये भेंट किए।

संस्था ने 19 साल में लगभग 5 हज़ार कृत्रिम अंग भेंटकर सेवा करते हुए इस क्षेत्र में इतिहास कायम किया है। इस मौके पर सर्वश्री कीमत लाल नागपाल, कुमुद मेहता, सुलक्षण मल्होत्रा, रमेश पुरोहित, देवराज शर्मा, ओमप्रकाश खोसला मुख्य रूप से उपस्थित थे।

DELHI SOUTH

Greater Kailash-1 : On 20.02.2011 the branch organized a free *Viklang Sahayata & Punarvas camp* at Arya Samaj, GK-1 for distribution of Artificial limbs, 25 Hearing Aids, 11 Tricycles, 7 wheel chairs, 4 Bicycles, 1 orthopaedic shoe, 50 sewing machines (mainly to poor widows), 10 cataract operations, 4 spectacles, 10 steel buckets. The expenditure on the entire camp was about Rs. 2.50 lakh which was donated by several generous donors. Over 300 beneficiaries and guests were present in the funcion which was graced by Shri Vijay Kumar Malhotra, Hon'ble Opposition Leader,

Delhi Vidhan Sabha, as Chief Guest. Other guests of honour included Dr. Uma Tuli, Ex-Chief Commissioner of Persons with Disabilities, Govt. of India as main speaker, Shri O.P. Sharda, Councillor, Yogesh Munjal, Industrialist and Samaj Sewi, B.L. Parashar, National Secretary, and R.K. Taneja, President, Arya Samaj.

Shri V.P. Agarwal, President of the branch, in his welcome address, briefed the audience about the activities of BVP in general and *Viklang Sahayata & Punarvas* shivir in particular. Smt. Promila Grover, Treasurer, read out the names of donors.

Th Chief Guest, the main speaker and the Councillor appreciated the excellent work of Sewa and Sanskar being done by the selfless members of BVP and assured full support to the organization. Dr. Tuli also mentioned about the organization 'Amar Jyoti Charitable Trust' by foundedher which too was doing the work of rehabilitating disabled persons in one way or the other.

A few other events of the function were (a) releasing a book written by Mansoor Abdullah on Shrimad Bhagwad Gita through the hands of the chief guest and (b) branch's honouring with shawls & bouquet R.C. Puri, Adviser and Smt. Promila Grover, Treasurer for their whole hearted devotion to public service and enhancing the working standard of the branch in all respects. The function was well organized and conducted by Vijay Gupta, senior V. President, the convenor of the camp and *Ashu Kavi* with the spontaneously composed poetic style.

Alaknanda : 27th February 2011, was a very special day for the branch when at the initiative of Smt. Shashi Azad, General Secretary, the distribution camp for the physically challanged was held in Arya Samaj Mandir, GK-II. A.K. Tripathi, Principal of Balwantrai Mehta School narrated his experiences. A skit was presented by the students of Shishushala depicting BVP activities. Differently abled students of BRM school presented a mono acting. Bhakti Sangeet & Gazal were sung by Blind beneficiaries. 6 Artificial legs, 9 wheel chairs, 11 Tricycles, 12 Walkers, Vaishakhies, Elbow creches, surgical shoes, 1 Water Mattress, 6 Sewing Machines, 3 Hearing Aids, etc. were distributed. The blind students, being supported by the branch for several years in their education were given, 11 CD Players, 6 Walkmans, 100 blank Cassette for course lectures, 1 organ, 1 Harmonium, Tabla & Dholak. A blind couple was provided with a LPG Gas connection. Scholarships of 2500/- each to differently abled students of BRM school were provided at a total cost of above Rs. 2.50 lakhs to beneficiaries crossing 80.

A.P. EAST

Vijayawada : Branch distributed 58 artificial limbs to the needy on 27.02.2011. Shri Gaurav Uppal, Joint Collector Krishna District was the chief guest. Shri Sridhar, CEO of Data Management Centre, Nellore and Shri U.N. Yadgiri Chief Regional Manager, IOB were the guests of honour. The entire progamme was sponsored by SHR Charitable Trust, Nellore. Nearly 150 persons including members attended the programme.

PUNJAB NORTH

Dr. Kitchlu, Ludhiana : In association with BVP Charitable Trust organized a Viklang Sahayata camp on 13.02.2011 at Viklang Sahayata Kendra, Ludhiana. On this occasion artificial limbs/calippers were given to about 40 needy persons. Shri Ravinder Mittal, President of the branch motivated them not to feel handicapped but become mentally strong and try to make great achievements. The camp was sponsored by Keea International Ludhiana, who had contributed Rs. 11,000/- for Viklang Sahayata. Shri Raveesh Moudgil, from Keea International was the Guest of Honour. Shri Yash Pal Gupta, National Secretary presided over the function. The function was attended by more than 200 persons. Smt. Alka Mohan, was the compere and Smt. S. Sud presented vote of thank.

AVADH PRADESH

Lucknow : Like every year a *Nihshulk Viklang Sahayata Shivir* was organized on 24.03, to 27.03.2011, at community health centre at Mohanlalganj, Lucknow. In this shivir about 570 Viklang got registered and given artificial limbs. Arificial hand; 12 artificial legs, 35 calipers, 56 shoes, 15 Blindsman, sticks 58, hearing aids 69, tricycles 85, wheel chairs 60 specs 50. Total 522, handicapped were benefitted in the camp. The equipments amounting to around Rs. 11 Lacs were distributed. On 31.03.2011 a senior citizen health camp was organized by the branch at Nidan Diagnostic Centre, at Gomtinagar. The health check and different tests were done in the camp for senior citizen members of the branch.

चिकित्सा शिविर

पश्चिमी उत्तर प्रदेश

सहारनपुर : 27.02.2011 को आईक्यू सुपर स्पेशियलिटी के सहयोग से अस्पताल में निःशुल्क नेत्र जाँच शिविर का आयोजन किया गया। वरिष्ठ डा॰ असन्त अग्रवाल, डा॰ काशिफ़ मेहताब, डा॰ चित्रांशु तथा संचालक गोपाल बिनवाल का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम के संयोजक ए॰के॰ मित्तल रहे। शिविर में मरीज़ों को निःशुल्क आँख की दवा व चश्में दिये गये।

शास्त्रीनगर, मेरठ : 20.02.2011 को शाखा द्वारा श्री राम संकीर्तन मन्दिर पं॰ ट्रस्ट, लालकुर्ती के सहयोग से निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। डा॰ अमित जैन कैंसर के विशेषज्ञ द्वारा इलाज बचाव पर एक सफल वार्ता की गयी। डा॰ संजय शर्मा के नेतृत्व में लगभग 500 मरीज़ों की जांच की गयी। शिविर में सर्वश्री श्रीकृष्ण गोपाल गोयल, आर॰के॰ अरोड़ा, वी॰पी॰ शर्मा, मेजर एस॰पी॰एन॰ व अशोक मांगालीक उपस्थित रहे।

पल्लवपुरम, मेरठ : 12.02.2011 को शाखा द्वारा ज्ञानोदय बाल अकादमी गाँव दुल्हैड़ा चौहान में 267 छात्र/छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण निःशुल्क कराया गया। परीक्षण शाखा अध्यक्ष डा॰ सी॰डी॰ त्यागी व शाखा उपाध्यक्ष डा॰ यशपाल गुलाटी द्वारा किया गया तथा दवाईयाँ भी निःशुल्क वितरित की गई। सचिव जिले सिंह वर्मा ने बताया कि इस वर्ष 5 विद्यालयों के छात्र/छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण हुआ तथा सभी को सम्बधित निःशुल्क दवाईयाँ वितरित की गईं।

काशी प्रदेश

गंगा-मीरजापुर : शाखा की ओर से नगर के लालडिग्गी स्थित धन्वंतरी चिकित्सालय पर हेपेटाइटिस-बी टीकाकरण कैम्प का आयोजन किया गया। शिविर में 250 लोगों का टीकाकरण तथा 30 नये लोगों का रजिस्ट्रेशन किया गया। कैम्प का उद्घाटन डा॰ नीरज त्रिपाठी ने किया। शिविर की अध्यक्षता संस्था अध्यक्ष रमेश चन्द्र मालवीय एवं संचालन सचिव चन्द्राशु गोयल ने किया। शिविर में आए मरीजों को हेपेटाइटिस-बी के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई तथा उससे बचने के उपाय भी बताए गए। कैम्प को सफल बनाने में शाखा के सभी सदस्यों का महत्पूर्ण योगदान रहा।

ब्रज प्रदेश

नारीशक्ति, अलीगढ़ : शाखा की ओर से सेंटर प्वांइट पर

नेत्रदान संकल्प शिविर लगया गया। इसमें 598 लोगों ने पंजीयन कराया। **डी॰पी॰एस॰ में पढ़ रहे 13 वर्षीय छात्र सम्भव जैन द्वारा कराए गए पंजीयन की सराहना हुई।** प्रान्तीय महासचिव डा॰ दिव्या लहरी व मुख्य अतिथि एडी॰एम॰ सिटी सी॰पी॰ सिंह ने नेत्रदान को सबसे बड़ा दान बताया। जे॰एन॰ मेडिकल कॉलेज में विभाग के चेयरमैन डा॰ अदीब आलम खान ने नेत्र प्रत्यारोपण के बारे में जानकारी दी। डा॰ डी॰के॰ नागपाल, श्रीमती रंजू जैन, मीनाक्षी जैन, शिल्पी वार्ष्णेय , इंद्रा अग्रवाल ने पंजीकरण फार्म भरवाने में सहयोग किया।

अवध प्रदेश

परमहंस, लखनऊ : शाखा द्वारा 13.02.2011 को निःशुल्क चिकित्सा शिविर हीवेट पालीटेक्निक परिसर में आयोजित किया

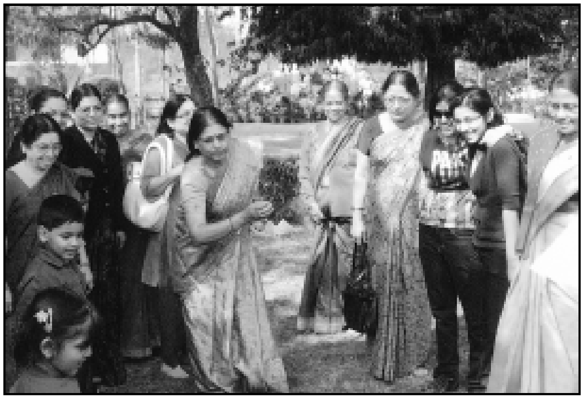

गया। शिविर का शुभारम्भ डा॰ बी॰बी॰ सिंह सर्जन द्वारा किया गया। ब्लड शूगर एवं ब्लड प्रेशर की भी निःशुल्क जांच की गई। शाखा

द्वारा स्थायी प्रकल्प के अन्तर्गत हीवेट पालीटेक्निक परिसर में ही एक स्थायी चिकित्सालय का उद्घाटन प्रान्त अध्यक्ष एच॰के॰ वाजपेयी एवं परिसर के प्रधानाचार्य यू॰सी॰ वाजपेयी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

उत्तराखण्ड पश्चिम

कोटद्वार : शाखा द्वारा 30 जनवरी 2011 को हिमालयन इन्स्टीट्यूट जोली ग्रान्ट के सहयोग से एक विशाल स्वास्थ्य शिविर लगया गया जिसमें 320 मरीज़ों की जाँच की गयी। शिविर में नेत्र के 113, ई॰एन॰टी॰ के 67, बालरोग के 15, स्त्री रोग के 13, दांत के 27 व सामान्य बीमारियों के 85 मरीज़ों की जाँच की गई। शिविर के संयोजक राजदीप माहेश्वरी थे। कार्यक्रम में अध्यक्ष गोपाल बंसल, सचिव श्यामसुन्दर अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, कैलाश चन्द्र इत्यादि ने सहयोग किया।

बुन्देलखण्ड

रानी झाँसी : शाखा द्वारा आयोजित शिविर के तहत वीरांगना पब्लिक स्कूल में डा॰ मनीष साहू बाल रोग विशेषज्ञ एवं डा॰ निधि अग्रवाल, दंत विशेषज्ञ ने स्कूल के 324 बच्चों का जनरल हेल्थ चेकअप एवं दंत परीक्षण किया गया। इस दौरान सदस्यों ने बच्चों को टूथ पेस्ट एवं ब्रश का वितरण किया। शाखा अध्यक्ष संजय अग्रवाल, चंद्रकांत गोयल, आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती ममता जैन ने आभार व्यक्त किया।

राजस्थान मध्य

सुभाष, भीलवाड़ा : राजीव गांधी ऑडिटोरियम के सामने पथकनगर रोड राधेकृष्ण आर॰के॰ हॉस्पीटल में शाखा के सहयोग से 27 फरवरी को कैंसर जांच शिविर लगाया गया। जिसमें जयपुर से कैंसर विशेषज्ञ डा॰ ललित मोहन शर्मा एवं डा॰ शशिकान्त सैनी द्वारा 27 मरीज़ों का उपचार किया गया। ज़रूरतमन्द 5 मरीज़ों को नि:शुल्क जांच एवं दवाईयाँ उपलब्ध कराई गई। मुख्य अतिथि राजस्थान पेन्शनर्स मंच के प्रान्तीय संरक्षक, भंवर सिंह चौधरी तथा ज़िला अध्यक्ष राजेश पटोदा रहे। अध्यक्षता प्रान्तीय उपाध्यक्ष राजेश समदानी ने की।

अजमेर : 11.03.2011को इन्जिनियरिंग कॉलेज में रक्तदान कैम्प लगाया गया। शिविर में 150 छात्र/छात्राओं ने रक्तदान किया। इस कार्य में दिनेश अग्रवाल व शीतल चन्द जैन का विशेष सहयोग रहा।

राजस्थान पश्चिम

पिण्डवाड़ा : शाखा द्वारा 13 फरवरी 2011 को विशाल नाक, कान व गला रोग की नि:शुल्क जाँच व परामर्श शिविर का आयोजन बोलकेम इंडिया लिमिटेड के सहयोग से किया गया। जिसमें डा॰ चिराग मेहता ने अपनी सेवायें उपलब्ध कराईं। शिविर में 135 रोगियों की जांच कर नि:शुल्क दवाईयों का वितरण किया गया। शिविर का उद्घाटन बोलकेम इंडिया लिमिटेड के महाप्रबंधक जगदीश तिवारी ने किया। इस अवसर पर संरक्षक डा॰ सी॰ राम, सचिव डा॰ दिनेश पुरोहित का सहयोग मिला।

सुमेरपुर, शिवगंज : शाखा व भारतीय सेवा समाज राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में 15.03.2011 को अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित शिविर में 102 मरीज़ों की जांचकर दवाईयाँ वितरित की गईं। डा॰ पवन कुमार शर्मा ने गठिया, दमा व मधुमेह से पीड़ित मरीज़ों की जाँच की। अध्यक्ष शिव कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष डा॰ अरविन्द्र जैन कोषाध्यक्ष भवंरलाल जैन ने शिविर में सहयोग किया। शिविर संयोजक श्री शिव बड़वाल रहे।

राजस्थान पूर्व

बाड़ी : 'विभिन्न बीमारियों से पीड़ित साधन हीन लोग जो बड़े शहरों में जाकर कुशल चिकित्सकों से परामर्श नहीं ले पाते उन्हें विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा नि:शुल्क जाँच व परामर्श दिलवाकर शाखा ने पुनीत कार्य किया है'। यह उद्‌गार धोलपुर के पुलिस अधीक्षक राहुल प्रकाश ने सत्यनारायण धर्मशाला में शाखा द्वारा आयोजित विशाल रक्तदान एवं नाक, कान, गला, चर्म एवं गुप्त रोग शिविर में कहे। चिकित्सक डा॰ शैलेन्द्र जैन ने करीब 160 चर्म व गुप्त रोग व डा॰ मयंक महेश्वरी ने लगभग 150 मरीज़ों की नि:शुल्क जाँच कर परामर्श दिया। संयोजक मनोज मोदी ने श्री एस॰पी॰ राहुल प्रकाश को सम्मानित कर उनका अभिनन्दन किया।

राजस्थान उत्तर

कुशालगढ़, गंगापुर सिटी : शाखा ने जाँगीड़ धर्मशाला में 27.02.2011 को रक्तदान शिविर लगया। मुख्य अतिथि उपज़िला कलेक्टर ओ॰पी॰ जैन रहे। अध्यक्ष शुभकरण श्री बार्डिया विशिष्ट अतिथि थे। रक्तदान शिविर में 121 यूनिट रक्तदान किया गया। सभी रक्तदाताओं को स्मृति चिह्न दिया गया।

राजस्थान दक्षिण

छोटी सादरी : शाखा द्वारा डा॰ एस॰एम॰ बुराहनुद्दीन के सौंवे जन्मदविस पर श्री अन्जुम ने सैफ़ी जमात के सहयोग से 15 मार्च को एक विशाल रक्तदान एवं आयुर्वैदिक चिकित्सा और योग परामर्श शिविर का बुराहनुद्दीन हॉल में आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि मनोहर लाल अन्जाना प्रधान पंचायत समिति के थे। अध्यक्षता शेख शब्बीर भाई आमिल साहब ने की। विशिष्ट अतिथियों में मोहन लाल सूत्रधार नवनिर्वाचित अध्यक्ष, डा॰ भँवर इरावत महामंत्री, डा॰ जयराम आचार्य नव

निर्वाचित महामंत्री, डा॰ किशोर पाठक आयुर्वैदिक चिकित्सा अधिकारी थे। 46 व्यक्तियों ने जिनमें 11 महिलाओं ने भी रक्तदान किया। शिविर में 150 रोगियों को निःशुल्क आयुर्वैदिक चिकित्सा, परामर्श और दवाईयाँ वितरित की गईं। संचालन ज़िला सचिव जगन्नाथ सोलंकी ने किया।

सुभाष, उदयपुर : गाँव वल्ली पंचायत व गाँव-वेला के रा॰प्रा॰वि॰ भीलों की बस्ती में शाला स्वास्थ्य परीक्षण शिविर एवं दवा वितरण का आयोजन किया गया। स्कूल के बालकों के स्वास्थ्य के सम्पूर्ण शारीरिक परीक्षण हेतु उनके स्वास्थ्य कार्ड बनाए गए। जिसमें वज़न, नेत्र परीक्षण, लम्बाई व सम्पूर्ण शरीर की जाँच की गई। परिषद् के सदस्य तृप्ता चावला, संजीव नागदा, मनोज जैन भी उपस्थित थे। सचिव प्रवीण जैन ने ऐसे कार्यक्रम अन्य सुदूर एवं निर्धन स्कूलों में करने की घोषणा की।

राजस्थान दक्षिण पूर्व

केशवराय पाटन, बून्दी : शाखा द्वारा 15 जनवरी 2011 को कृष्णा रोटरी ब्लड बैंक सोसायटी के तत्वावधान में रक्तदान शिविर में 90 यूनिट रक्तदान किया गया। मुख्य अतिथि शिवदयाल वर्मा तहसीलदार एवं अध्यक्षता श्रीमती रामेश्वरी कहालिया अध्यक्षा नगर पालिका पाटन ने की तथा विशिष्ट अतिथि श्री अशोक प्रान्तीय महासचिव रहे। श्री सूर्यप्रकाश बाघला क्षेत्रीय संगठन सचिव उपस्थित रहे।

विवेकानन्द कोटा : 2 फरवरी को पुरानी सरकारी डिस्पेंसरी, सरकारी स्कूल के पास, सकतपुरा कोटा में दूसरे नेत्र जाँच एवं लेंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया गया। ओ॰पी॰डी॰ में 250 रोगियों में ऑप्रेशन योग्य 92 व्यक्तियों को चुना गया। शिविर के संयोजक पी॰के॰ शर्मा थे। करीब 53 आप्रेशन की राशि संस्था के सदस्यों द्वारा दी गई। 14 फरवरी को तीसरा नेत्र जाँच शिविर का आयोजन किया गया। ओ॰पी॰डी॰ में 135 रोगियों की उपस्थिति रही। आप्रेशन योग्य व्यक्ति 38 थे। शिविर के संयोजक श्रीनाथ सर्राफ थे। आप्रेशन डा॰ राजेन्द्र चन्देल द्वारा किए गए। आप्रेशन के बाद सभी को मुफ्त चश्में उपलब्ध करवाए गए।

गुजरात उत्तर

धोराजी राजकोट : शाखा के उद्देश्य सेवा प्रकल्प में मेडीकल साधन सहाय केन्द्र की स्थापना की गई। बीमार लोगों को व्हील चेयर वोकर-वोकर स्टीक, कोमोड चेयर कई तरह के मेडीकल इन्स्टूमेन्ट की सेवा सहाय मिल सकती है। सत्यनारायण भगवान की कथा का आयोजन भी किया गया। करीब 135 पारिवारिक सदस्यों ने साथ में भोजन भी किया।

हरियाणा पश्चिम

प्रान्तीय अधिवेशन **हिसार वीर शाखा** के सहयोग से सम्पन्न हुआ, जिसमें प्रान्त की 28 शाखाओं में से 26 शाखाओं के 280 सदस्यों ने भाग लिया। अधिवेशन की अध्यक्षता महेश शर्मा, राष्ट्रीय संयोजक जनसम्पर्क ने की। श्री प्रजापति रणबीर सिंह गंगावा, सांसद राज्यसभा मुख्यातिथि रहे। प्रा॰ अध्यक्ष गोपाल पोपली व प्रा॰ महासचिव नरेन्द्र शर्मा ने साल में किये गये कार्यो के लिए शाखाओं व सदस्यों को सम्मानित किया। श्रीमती अविनाश शर्मा, (राष्ट्रीय संयोजक महिला सहभागिता), चन्द्र प्रकाश आहूजा तथा रमेश गोयल क्षेत्रीय मंत्री विशेष रूप से उपस्थित रहे।

सफीदों : 3 मार्च 2011 को शाखा के सहयोग से राजकीय पी॰पी॰ कॉलोनी में ज़िला रैडक्रास सोसाइटी जीन्द के सौजन्य से एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 12 सदस्यों, एन॰एस॰एस॰ व एन॰सी॰सी॰ के सेवकों सहित 75 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अठारहवें रक्तदान शिविर का आयोजन 12 फरवरी 2011 को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में हुआ। शिविर में 31 व्यक्तियों ने रक्तदान किया। उद्घाटन कुन्जी लाल मीना ने किया। डा॰ एस॰पी॰ शर्मा अध्यक्ष, दिनेश नाटाणी सचिव, डा॰ के॰एस॰ बोहरा, सुशील अग्रवाल, सत्यनाराण आदि उपस्थित थे।

पंजाब दक्षिण

फ़िरोज़पुर शहर : शाखा द्वारा 31.03.2011 को हिन्दु गर्ल्ज स्कूल तथा सिख कन्या महाविद्यालय में सिवल हस्पताल के सहयोग से कमजोर नज़र वाले 37 बच्चों को श्चमें तथा पैन वितरित किये गये। कार्यक्रम में श्री मुखतियार सिंह का विशेष योगदान रहा। महाविद्यालय में हुये समारोह में बच्चों को समाज में फैली सामाजिक बुराईयों सबन्धी जानकारी दी गई।

फ़ाज़िल्का : शहीद ए-आज़म भगत सिंह, राजगुरु सुखदेव के शहीदी दिवस पर शाखा द्वारा सिविल अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई।एस॰एम॰ओ॰, डा॰ एस॰पी॰ गर्ग व डा॰ रेणु धुडिया की निगरानी में परिषद् द्वारा

18 यूनिट रक्तदान किया गया। ज़ोनल चेयरमैन श्रीनिवास बिहानी व प्रान्तीय कोषाध्यक्ष टेकचन्द धूडिया ने इस अवसर पर कहा कि ऐसे शिविरों से ही हम ज़रूरतमंदों के लिये रक्त की पूर्ति कर सकते है। अध्यक्ष विकटर छाबड़ा, सुश्री नेनसी गुप्ता, चीना मक्कड़, विजय गुप्ता, गोविन्द, श्रवण तथा अन्य सदस्यों ने रक्तदान किया।

पंजाब उत्तर

फगवाड़ा : शाखा द्वारा 27.02.2011 को बच्चों को पोलियो ड्रॉप्स पिलाने के लिए दो शिविर लगाए गए। शाखा द्वारा 144वां और 145वां चैक-अप कैम्प डा॰ सुभाष शर्मा के क्लिनिक में 6.02 और 6.03.2011 को लगाया गया। दोनों कैम्पों में 204 रोगियों के खून की जाँच कर उन्हें निःशुल्क औषधि प्रदान की गई। कैम्प में डा॰ सुभाष शर्मा, सचिव हरमेश पाठक, प्रकल्प प्रभारी कमल बंसल, सुदेश जलोटा, एड्वोकेट रमन नारंग एवं

मुकन्द लाल उपस्थित थे। दोनों कैम्पों में कुल खर्च रु. 5450/- आया। एम्बूलैंस सेवा में रोगियों को दिल्ली, लुधियाना, अमृतसर एवं जालन्धर के विभिन्न अस्पतालों में ले जाया जाता है। परिषद् की ओर से आक्सीजन का भी निःशुल्क प्रबंध किया हुआ है। तेजस्वी भारद्वाज एवं रवि गर्ग प्रकल्प प्रभारी हैं। चमन लाल गुप्ता फ्री होमियोपैथी क्लिनिक में प्रत्येक मास सैंकड़ों रोगी निःशुल्क औषधि ग्रहण करते हैं।

पंजाब पूर्व

मोरिण्डा : शाखा की ओर से खालसा कॉलेज में रक्तदान कैम्प लगाया गया। शिविर में 100 व्यक्तियों ने रक्तदान किया। शाखा ने सभी दानियों को स्मृति चिह्न से सम्मानित किया।

दिल्ली पूर्व

मधुविहार : शाखा ने समाज के लिए अत्यन्त उपयोगी प्रकल्प 'सचल मोरचरी' का 27 फ़रवरी को लोकार्पण किया। आज की इस भाग दौड़ से भरी व इकाईयों में बटे दूर-दराज़ स्थानों पर बसे परिवारों में अचानक देहावसान के समय निष्प्राण देह को विकृति से बचाने के लिए यह वातानुकूलित सचल मोरचरी बहुत उपयोगी है। अन्तिम संस्कार एवं स्वजनों के पहुँचने तक यह सचल मोरचरी शोक संतप्त परिवार के निवास पर देह को सुरक्षित रखने में सहायक रहती है।

दिल्ली उत्तर

शालीमार बाग : शाखा द्वारा वर्ष 2011-12 के नवसम्वत् 2068 का स्वागत सभी सदस्यों को बधाई कार्ड भेज कर व क्षेत्र में होर्डिग लगाकर किया गया। इसी श्रृंखला में 4 अप्रैल 2011 को शाखा द्वारा डा॰ अम्बेडकर अस्पताल, रोहिणी में उपचाराधीन मरीज़ों को फल एवं बिस्कुट वितरित किए गये। साथ में उन्हें भारतीय नव वर्ष की शुभकामनाओं के साथ शीघ्र ठीक होने की कामना की गई। कार्य क्रम हेतु श्री भुपेन्द्र मोहन भण्डारी राष्ट्रीय मंत्री, श्रीमती रश्मि गोयला वरिष्ठ उपाध्यक्षा, दिल्ली उत्तर भारत भूषण दीवान, श्रीमती मंजुला कानोडिया एवं वेद प्रकाश मित्तल का मार्गदर्शन प्राप्त कर शाखा अध्यक्षा श्रीमती अनुभा जैन, सचिव राकेश गुप्ता, कोषाध्यक्ष श्री पवन गर्ग एवं 60 अन्य सदस्यों ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

उत्तर बिहार

छपरा सारण : शाखा के तत्वावधान में कार्डियोलोजिस्ट कर्नल सी॰पी॰ राय के नेतृत्व में चिकित्सकों के दल ने स्नेही भवन छपरा में हृदय रोग के 150 मरीज़ों की निःशुल्क जांच की। कैम्प में निःशुल्क दवा का भी वितरण किया गया।

छत्तीसगढ़

रायगढ़ : शाखा द्वारा निःशुल्क हृदय रोग जाँच शिविर का आयोजन श्री श्याम मन्दिर में 13.02.2011 को किया गया। उद्घाटन ज़िलाध्यक्ष अशोक कुमार अग्रवाल एवं सिविल सर्जन डा॰ अनिल कुमार गुप्ता एवं अध्यक्ष संतोष गुप्ता द्वारा किया गया।

150 मरीज़ों की जाँच कर आवश्यक परामर्श दिया गया। 120 मरीज़ों का ब्लड शूगर जाँच किया गया वहीं 80 मरीज़ों का ई॰सी॰जी॰ किया गया। शिविर में सचिव विनोद अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुबोध खीरवाल, राजेन्द्र मोदी, तुशार चौहान का सहयोग सराहनीय रहा।

ORISSA

Brahmapur : Branch organized free health care programme at Dharakote of Ganjam District which is about 50 k.m. away from the city on February 12th and 13th, 2011. The Ayurvedic Doctor, Dr. Hrusikesh Padhy, a member of the branch, organized the camp in the premises of Anatha Ashram of Dharakote. About 200 patients were examined and provided with the medicines.

Puri : Branch organised one blood donation camp on 26th January 2011. 35 units of blood was collected by the District Red Cross. 20 members of BVP donated blood. After the Republic Day Parade the Minister of the State, District Collector, District Chief medical officer visited the camp and praised the attempt of the members of BVP.

DELHI EAST

The members of BVP with the active support of family Trust of Sh. S.S. Jain inaugurated 'Seth Tarif Sigh Jain Diagnostic Centre' at its Tahirpur, Dilshad Garden Viklang Sahayata Kendra. The National Working President Shri I.D. Ojha graced the occasion as a chief speaker. The diagnostic centre will provide Path Lab facilities, Ultra Sound and X-ray facilities at very nominal charges. The major donor, trustees and members attended the function.

JAMMU & KASHMIR

Jammu East : conducted free medical check-up camp in collaboration with Indian Red Cross Society in front of Red Cross Complex, Kachi Chowni, Jammu. Three checks for different diseases in common masses i.e. Diabetes Detection, blood grouping & blood pressure were performed. 126 persons were benefitted. About 35 persons were tested+ve for Diabetes. The branch intends to conduct at least 05 more such medical camps in slum areas duly identified for this purpose.

GUJARAT NORTH

Patan : Branch organised complete body check-up camp, on concessional rates for only Rs. 500/- on 13.03.2011 in coordination with thiro care lab patan. 165 members took the benefit. Branch President J.V. Patel, Secretary Kamal Chandana, and Project Coordinator Dr. Shaileshbhai Sompura, worked hard for the success of the camp.

Paldi Amdavad : Branch organised Prathmik Saravar Kendra medical camp at Khatraj Circle, Mahemdabad. About 3600 padayatris took benefit of medicine & Dressing treatment during three days day and night without break. In this Holy festival about 7 to 8 Lakh devotees go to Dakor for Shri Ranchhodas Darshan. They had observed this medical camp while passing on road. So Seva & Publicity of BVP was also performed.

GUJARAT MADHYA

Glucoma Eye care camp was organised by Prant at Ratilal Patel Hall, Kankaria, Ahmedabad on 11.03.2011 by Health and Eye care Incharge Dr. Chaitanya A. Patel. More than 150 persons were benefitted.

PUNJAB EAST

Malerkotla : Branch organized free Homeopathic medical check-up camp at village Manak Majra. Dr. Paramjit Singh DHO was the Chief Guest and Smt. Paramjeet Kaur Sarpanch gram panchayat village manak majra presided over the function Dr. Rehman Asad H.M.O. & Dr. Amandeep Singh H.M.O. checked 310 patients and distributed the medicines to the patients.

HOW TO UPDATE THE MEMBERSHIP LIST?

In Just 3 steps:

(1) Get the printed list from the Central Office (Just give a call or email to the Central Office);

(2) Make changes on the list ; and

(3) Return the same amended list to the Central Office.

राजस्थान पश्चिम

जोधपुर : शाखा की तरफ़ से सघन वृक्षारोपण किया गया, 18 पौधे लगाये गये एवं उन पर ट्री गार्ड लागाये गये। शाखा अध्यक्ष डा॰ एॅ॰सी॰एच॰ माथुर, उपाध्यक्ष सुरेन्द्र व्यास व सचिव चांदरतन मूथा, प्रान्त के डा॰ डी॰डी॰एल॰ माथुर, विद्यालय के प्रधानाचार्य अनवर अली एवं अन्य अध्यापकगण पवन शर्मा, सन्तोष मिश्रा, अब्दुल सकूर, इन्द्र सिंह एवं विद्यार्थी मौजूद थे। सभी ने एक-एक पेड़ लगाकर उन्हें पानी देकर व बड़ा होने तक सूखने नहीं देने की जिम्मेदारी ली।

राजस्थान पूर्व

दौसा : शाखा द्वारा बसन्त पंचमी के शुभ अवसर पर 08. 02.2011 को जनसेवा व पर्यावरण सुधार हेतु शाखा के स्थायी प्रकल्प मुक्ति बाग (स्वास्थ्य बाग) में वृक्षारोपण किया गया। बाग के अन्य पौधों की गुड़ाई, निराई व सिंचाई की गयी।

LIST OF DONORS (FOR LEH & LADAKH)

S. No.	Name		Amount
	Last Balance		**1,10,764/-**
65.	Shri Mahesh Gupta, Jalandhar	(Punjab)	1100/-
66.	Dr. S.S. Nangal Jalandhar	,,	500/-
67.	Shri Vivek Sharma, Jalandhar	,,	500/-
68.	Shri Harsh Wardhan Sharma, Jalandhar	,,	500/-
69.	Shri D.P. Sharma, Jalandhar	,,	1000/-
70.	Shri B.L. Narang, Jalandhar	,,	1100/-
71.	BVP Jalandhar Main Branch	,,	1000/-
72.	Shri Rahul Gupta, Jalandhar	,,	1000/-
73.	Shri Anurag Kumar, Phagwara	,,	5100/-
74.	Shri Raman Narang, Phagwara	,,	1100/-
75.	Shri Kamal Matta, Phagwara	,,	1100/-
76.	Dr. M.L. Bansal, Phagwara	,,	1000/-
77.	Dr. Usha Gupta, Phagwara	,,	700/-
78.	Dr. Subhash Sharma, Phagwara	,,	500/-
79	Dr. Vijay Sharma, Phagwara	,,	500/-
80.	Shri Vipin Dhingra, Phagwara	,,	500/-
81.	Shri Harjinder Gogna, Phagwara	,,	500/-
82.	Shri Ashok Gupta, Phagwara	,,	500/-
83.	Shri Kewal Singh, Phagwara	,,	500/-
84.	Shri Varinder Gogna, Phagwara	,,	500/-
85.	Shri Chander Shekhar Gupta, Phagwara	,,	500/-
86.	Shri Satish Gogna, Phagwara	,,	500/-
87.	Shri Yogesh Verma, Phagwara	,,	500/-
		Total	**131464**

विविध गतिविधियाँ

पश्चिमी उत्तर प्रदेश

सहारनपुर : 17.01.2010 को नेत्रहीन बालिका विद्यालय हकीकत नगर में बालिकाओं को सेवा कार्य के अन्तर्गत सहायता प्रदान की गई। कार्यक्रम में विद्यालय के अध्ययन कक्ष के लिये बड़ी दरी एवं बालिकाओं को गरम मौजे प्रदान किये गये। संयोजक पूर्व अध्यक्ष एवं विकास मित्र श्री अशोक मित्तल रहे। सुबोध गुप्ता, मंजू अग्रवाल, गौरव गुप्ता, मंजू मित्तल आदि सभी शाखा सदस्य मौजूद थे।

संस्कार, सहारनपुर : शाखा के तत्वावधान में संस्कार सेवा के अन्तर्गत संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सुन्दर काण्ड का पाठ किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती प्रीति गुप्ता, अध्यक्षा, वी०के० गर्ग, डा० विजया गुप्ता, गौरव नारंग, सुशील शर्मा एवं कपिल विहार निवासियों द्वारा भजन का आनन्द लिया गया। 19 फरवरी को मानव सेवा मन्दिर में वृद्ध बुजुर्गों को मिष्ठान व वस्त्र वितरित किये गये। 21 को कार्यकारिणी सभा जसबीर जायसवाल, सह-सचिव के आतिथ्य में अध्यक्षा श्रीमती प्रीति गुप्ता की अध्यक्षता में आरम्भ हुई।27 फरवरी को पारिवारिक सभा स्पाईस एण्ड ट्रीट रेस्टोरेन्ट में आयोजित हुई जिसमें सह-महिला संयोजिका श्रीमती तृप्ता मित्तल द्वारा मनोरंजक कार्यक्रम कराये गये।

शामली : शाखा द्वारा प्रान्तीय चुनाव में भागीदारी निभाई गई एवं नगर में प्रबुद्ध नागरिकों के साथ मिल बैठकर एक संस्कार शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के लिए कार्य आयोजन तैयार किये गये। नगर में शाखा विस्तार हेतु भी जन-सम्पर्क किया गया।

विराट, मुज़फ़्फ़रनगर : 14 फरवरी को दन्त परीक्षण शिविर डा० जसप्रीत खुराना के क्लीनिक पर लगाया गया। जिसमें मरीज़ों ने निःशुल्क सेवायें प्राप्त की। 15 फरवरी को कार्यकारिणी सभा का आयोजन किया गया जिसमें कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। 28 को पारिवारिक सभा चुनाव सभा के रूप में आयोजित की गई। कार्यक्रम के अन्त में आँखों की देखभाल कैसे करें विषय लिया गया। 7 मार्च को शाखा की ओर से एक गरीब कन्या का विवाह आयोजित किया गया। अध्यक्षा श्रीमती बीना अग्रवाल तथा अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

मुज़फ़्फ़रनगर, 'संकल्प' : शाखा द्वारा एक गरीब परिवार की विधवा की बेटी के विवाह में सक्रिय योगदान दिया गया। जिसमें रुपये 1000/- की नकद राशि, साड़ियाँ, वस्त्र और कुछ चांदी के आभूषण और कुछ गृह उपयोगी सामग्री सहायतार्थ प्रदान की गयी। 6 मार्च 2011 को आयोजित इस विवाह में शाखा अध्यक्ष दीपक मित्तल और अन्य सदस्य उपस्थित रहे। 18 मार्च को होली महोत्सव का कार्यक्रम गणपति पैलेस नई मण्डी में आयोजित किया गया, जिसमें प्रान्तीय अध्यक्ष श्रीमती कविता मित्तल, केन्द्रीय पदाधिकारी श्री रवीन्द्र अग्रवाल उपस्थित रहे। शाखा सदस्य डा० राकेश के मेरठ रोड पर स्थित क्लीनिक में 110 लोगों के ब्लड शूगर की जाँच की गयी और रिपोर्ट सौंपी गयी। स्थायी प्रकल्प मार्च 2011 से प्रारम्भ किया गया है, जिसके अन्तर्गत महीने की द्वादशी को शहर के किसी भी स्थान पर गरीब लोगों को खानाा उपलब्ध कराया जाता हैं

उत्कर्ष, मेरठ : मार्च माह की पारिवारिक सभा होलीकोत्सव के रूप में लॉयन्स क्लब मेरठ सिटी के साथ संयुक्त रूप से 21 मार्च को आयोजित की गयी। सभामें प्रान्तीय महासचिव हृदय मोहन मित्तल, करुणेश हालन, ज़िला महिला संयोजिका श्रीमती अर्चना मित्तल, प्रबंध सम्पादक अभ्युदय, श्रीमती कविता मित्तल मुख्य रूप से उस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों को उपहार दिया गया। होली की शुभाकामनाओं के साथ सभा का समापन किया गया।

शिवम् मेरठ : शाखा द्वारा 09 अप्रैल 2011 को आई०एम०ए० हॉल में नवनिर्वाचित दायित्वधारियों एवं नवगठित कार्यकारिणी का दायित्व ग्रहण कार्यक्रम तथा उसके पश्चात् नवसम्वत्सर के उपलक्ष में देश प्रेम से प्रेरित होकर मेले का आयोजन किया गया।

शास्त्रीनगर, मेरठ : इस्माईल महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में होली पर्व धूम-धाम से मनाया, जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रान्तीय महासचिव हृदय मोहन मित्तल ने किया। कार्यक्रम में सचिव राजकुमार अरोड़ा, महिला संयोजिका प्रेम शर्मा ने सभी सदस्यों का स्वागत गुलाल लगाकर किया। कार्यक्रम में सभी सदस्यों ने स्पेशल होली तंबोला खेला। इस मौके पर शहर के प्रमुख पाँच चिकित्सकों डा० एस०एस०एल० श्रीवास्तव, डा० अभिलाषा, डा० विनोद अग्रवाल, डा० अनिल तनेजा और डा० आदेश धनकड़ को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रेम शर्मा ने किया।

अवध प्रदेश

परमहंस, लखनऊ : शाखा द्वारा 20.02.2011 को पिकनिक

एवं भ्रमण कार्यक्रम ड्रीम वैली, सुल्तानपुर रोड, लखनऊ पर आयोजित किया गया, जिसमें सपरिवार 45 व्यक्तियों ने भाग लिया। पिकनिक के मध्य हाऊजी, तम्बोला, गेंद का टोकरी में डालना, बैड्मिन्टन खेल का आयोजन भी हुआ। कार्यक्रम के संयोजक शाखा के नूतन सदस्य राजेश गोयल थे। जिन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना विशेष योगदान दिया।

मानसरोवर, लखनऊ : शाखा के एक कर्मठ सदस्य प्रवीन कुमार शर्मा ने अपने अथक प्रयासों से भारतीय स्टेट बैंक शाखा द्वारा स्वामी विवेकानन्द बाल विद्या मन्दिर, रिक्शा कॉलोनी, जो अत्यन्त निर्धन एवम् दुर्बल वर्ग के बच्चों की शिक्षा हेतु संचालन कर रही है के अन्तर्गत 62 बच्चों हेतु शीत कॉलीन यूनीफार्म, स्वेटर सहित जिनकी कीमत लगभग रु. 30,000/-है कई गणमान्य सदस्यों की उपस्थिति में वितरित किये। भूतपूर्व मुख्य महाप्रबंधक स्टेट बैंक को अनेकानेक साधुवाद।

ब्रज प्रदेश

प्रान्त के आतिथ्य में 25-26 दिसम्बर 2010 को आगरा में सम्पन्न हुए राष्ट्रीय परिषद् अधिवेशन उद्घोष 2010 की भव्य सफलता के पश्चात् अधिवेशन आयोजन समिति ने समस्त कार्यकर्ताओं के आभार ज्ञापन हेतु एक परिवार मिलन कार्यक्रम का आयोजन 30 जनवरी को किया। कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध भजन गायक पं॰ मनीष शर्मा ने राधा-कृष्ण के भजनों से माहौल को सरस बना दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रवीन्द्र पाल शर्मा ने अधिवेशन की सुव्यवस्थाओं के लिए आयोजन समिति के समस्त कार्यकर्ताओं की सराहना की। राष्ट्रीय संयुक्त संगठन मंत्री एवं अधिवेशन समन्वयक केशव दत्त गुप्ता ने अधि वेशन की तैयारियों के संस्मरण सुनाते हुए कार्यकर्ताओं के जोश को प्रशंसनीय कहा। प्रान्तीय अध्यक्ष एवं अधिवेशन चेयरमैन डा॰ तरुण शर्मा ने आयोजन समिति के सभी कार्यकर्ताओं का परिचय व उनके महत्वपूर्ण कार्यों का उल्लेख करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष के करकमलों से उन्हें सम्मानित कराया। कार्यक्रम का संचालन अधिवेशन सचिव राजीव अग्रवाल एड्वोकेट तथा अधिवेशन संयोजक अनिल भटनागर एड्वोकेट ने सभी का आभार व्यक्त किया।

आगरा : शाखा द्वारा मकर संक्रान्ति पर्व पर शहर के सरोजनी नायडू अस्पताल के महिला वार्ड में निर्धन मरीज़ों को कम्बल वितरण किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रान्तीय अध्यक्ष डा॰ तरुण शर्मा एवं स्त्रीरोग विभाग के वरिष्ठ चिकित्सक डा॰ मुकेश चन्द्र ने किया। मार्गदर्शक डा॰ कैलाश सारस्वत एवं संजय कपूर के संयोजन में निर्धन रोगियों को 50 कम्बल और गजक का वितरण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शाखाध्यक्ष

डा॰ अनिल वशिष्ठ ने तथा संचालन सचिव मनीष जैन ने किया। कोषाध्यक्ष रोहित कत्याल, प्रशान्त शर्मा इत्यादि सदस्यों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

फ़िरोज़ाबाद : शाखा द्वारा विक्रम सम्वत् 2068 बड़ी धूम-धाम के साथ श्री गिरीश चन्द्र अग्रवाल की अध्यक्षता में मनाया गया। शुभारम्भ क्षेत्रीय सचिव श्री कृष्णमुरारी लाल अग्रवाल एवं शाखा संरक्षक प्रवीन पारोलिया द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम में सर्व श्री योगेन्द्र जैन, मुकेश अग्रवाल नटवर, प्रदीप जैन प्रवीन पारोलिया, आशीष बंसल आदि सदस्य उपस्थित थे।

कासगंज, एटा : शाखा द्वारा गत दो माह में 6 गरीब कन्याओं की शादी में सहयोग किया गया। इस मौके पर परिषद् के संस्थापक सन्तोष अग्रवाल, अध्यक्ष हरवंश झंवर, महामंत्री अतुल पाठक, कोषाध्यक्ष जितेन्द्र वार्ष्णेय, अशोक सिसोदिया आदि सदस्य मौजूद रहे।

काशी प्रदेश

गंगा मीरजापुर : शाखा की ओर से कछवां स्थित भोला नाथ कार्पेट प्रतिष्ठान में होली मिलन समरोह धूम-धाम से मनाया

गया। इस अवसर पर होली के गीतों में सराबोर लोगों ने एक दूसरे

को अबीर-गुलाल लगाकर होली की बधाई दी। इस दौरान केन्द्रीय क्षेत्रीय एवं प्रान्तीय दायित्वधारियों के अलावा प्रान्त के 18 शाखाओं के अध्यक्ष, और सम्मानित सदस्यों सहित बड़ी संख्या में महिलाएँ उपस्थित थीं कार्यक्रम में प्रान्त के प्रान्तीय अध्यक्ष आलोक कपूर, महामंत्री प्रवीण कपूर, श्रीनारायण खेमका, भोला नाथ बरवाल आदि मौजूद रहे।

रामनगर, वाराणसी : शाखा द्वारा 26.03.2011 को सदस्य डा॰ तेजबली सिंह के आवास पर व उनके सहयोग से होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें सदस्यों ने सपरिवार भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता केन्द्रीय पदाधिकारी डा॰ नरेन्द्र गुप्ता ने की।

ब्रह्मावर्त

इटावा मुख्य : 2011-12 की कार्यकारिणी का चुनाव व होली मिलन का आयोजन मधुर-मिलन गेस्ट हाऊस में सम्पन्न हुआ। श्री आसाराम मिश्र के संयोजन में डा॰ भूदेव मिश्र की

अध्यक्षता में खचाखच भरे हॉल में पुष्पों की वृष्टि से हर्षोल्लास व उत्साहपूर्ण वातावरण में कवि सम्मेलन का शुभारम्भ हुआ। डा॰ भूदेव मिश्र (अध्यक्ष) ने संस्कृति, वेदों, शास्त्रों, ज्ञान व अनुभूतिजन्य तत्वों पर आधारित हास्य चुटकुले सुनाये तथा ज्ञान का सूत्रपात किया। आयोजन को सफल बनाने में राजेन्द्र दीक्षित, श्रीप्रकाश गुप्ता, सतीश चन्द्र महेरे, राजीव लोचन आदि का उल्लेखनीय योगदान रहा।

जसवन्तनगर : शाखा द्वारा आयोजित सरल सामूहिक विवाह समारोह में बसन्त पंचमी को आधा दर्जन कन्याओं के विवाह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ज़ोनल चेयरमैन सी॰पी अरोड़ा तथा राष्ट्रीय संगठन मंत्री महेशचन्द्र ने नवदम्पतियों को आशीर्वाद दिया। अध्यक्ष अनिल माथुर, संयोजक सुभाष गुप्ता के नेतृत्व में मुख्य अतिथियों व विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया गया। समारोह का संचालन शाखा सचिव उमाकान्त श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

मध्य भारत उत्तर

'वीर तात्याटोपे' शिवपुरी : शाखा द्वारा प्रतिमाह आयोजित किए जा रहे स्वास्थ्य शिविर के अन्तर्गत आदिवासी बस्ती ग्राम कठमई में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 63 रोगियों का परीक्षण कर उपचार किया गया। वहीं आदिवासी महिला, पुरुषों एवं बच्चों को वस्त्रों का भी वितरण किया गया। साथ ही ग्रामवासियों को मौसमी बीमारी से बचाव के उपचार भी बताए गए।

ग्वालियर : शाखा द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह का आयोजन बड़ी धूम-धाम से सम्पन्न हुआ साथ ही आगामी वर्ष 2011-12 के पदाधिकारियों का निर्वाचन निर्विरोध सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय मंत्री अजय बंसल, विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय

मंत्री एस॰के॰ जैन तथा डा॰ ए॰सी॰ बंसल थे। अध्यक्षता प्रान्तीय अध्यक्ष अशोक बांदिल ने की। शाखा सचिव दिनेश रस्तोगी ने वर्ष 2010-11 के सभी कार्यक्रमों में सक्रिय सहयोग देने वाले सदस्यों को सम्मान-पत्र देकर सम्मानित किया।

भवभूति डबरा : शाखा द्वारा 8 फरवरी को सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनपद अध्यक्ष श्रीमती

कमलेश पूरन सिंह गुर्जर के मुख्य आतिथ्य में 5 कन्याओं के

विवाह सम्पन्न कराये गये। उक्त विवाह कार्यक्रम में 3 कन्यायें आदिवासी समुदाय की थी। कार्यक्रम का संचालन शाखा सचिव निशीथ चतुर्वेदी द्वारा किया गया। शाखा द्वारा वर्ष 2010-11 में कुल 274 कन्याओं के सामूहिक विवाह सम्पन्न करवाकर एक कीर्तिमान स्थापित किया गया।

प्रान्त में नववर्ष प्रतिपदा नवसंवत्सर के अवसर पर शाखा के सदस्यों ने अग्रसेन चौराहे पर नव वर्ष बधाई एवं उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया। विधायक श्रीमती इमरती देवी सुमन प्रान्तीय महासचिव दीपक भार्गव उपस्थित हुए। सदस्यों द्वारा समस्त उपस्थित व्यक्तियों को चन्दन तिलक लगाकर नववर्ष की हार्दिक बधाई दी गई। प्रमोद समाधिया शाखा अध्यक्ष एवं सचिव निशीथ चतुर्वेदी ने जनता से अपील की कि पुरातन हिन्दू एवं भारतीय रीति रिवाज़ के अनुसार गुडीपडवा के दिन नववर्ष का स्वागत करें न कि पाश्चात्य संस्कृति के अनुसार। कार्यक्रम का संचालन आर॰के॰ श्रीवास्तव द्वारा किया गया। उपाध्यक्ष राजेन्द्र कन्देले नवल शिवहरे कोषाध्यक्ष रवीन्द्र अग्रवाल, द्वारिका प्रसाद गुप्ता आदि सदस्य उपस्थित रहे। दूसरे कार्यक्रम में समस्त सदस्यों ने परिवार सहित सत्यनारायण कथा का आयोजन किया। इस अवसर पर राजकुमार चोपड़ा के मुख्य आतिथ्य में प्रा॰ अध्यक्ष अखिलेश पाण्डे, प्रा॰ महासचिव दीपक भार्गव उपस्थित थे।

मध्य भारत पश्चिम

नीमच : शाखा का होली-मिलन समरोह 21 मार्च को रोटरी सामुदायिक भवन में सानंद सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष मधुसूदन

खण्डेलवाल ने बताया कि समारोह का मुख्य आकर्षण नाहरगढ़ के प्रसिद्ध जादूगर कैलाश चन्द्र राठौर के जादू का शो रहा। जादूगर कैलाश चन्द्र राठौर का सम्मान भी किया गया। आभार सचिव प्रो॰ डा॰ एन॰के॰ डबरा तथा कार्यक्रम का सफल संचालन पुरुषोत्तम गुप्ता ने किया। प्रान्तीय कार्यकारिणी की सभा गत दिनों रतलाम में सम्पन्न हुई। **प्रान्त की शाखाओं को किये गये विभिन्न कार्यों के लिये सम्मानित भी किया गया। शाखा को प्रान्त में भा॰ को जा॰ प्रतियोगिता में सर्वाधिक पुस्तक वितरण एवं मनसा में नवीन शाखा खोलने पर सहयोगी श्री प्रवीन को अवार्ड से सम्मानित किया गया।** अध्यक्ष मधुसूदन खण्डेलवाल एवं सचिव प्रो॰ डा॰ एन॰के॰ डबकरा ने बताया कि सभी शाखाओं के प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

बुन्देलखण्ड

'छावनी' झाँसी : शाखा द्वारा आयोजित कार्यक्रम बेटी बचाओ अभियान को सार्थक रूप देने के लिये साईकिल यात्री दल खाटू धाम पहुंचेगे और वहाँ अपनी अरदास लगायेगें कि इस धरा पर बेटियों की हत्या न हो। मुख्य अतिथि ब्रजेन्द्र व्यास (पूर्व

विधायक) विशिष्ट अतिथि अशोक अग्रवाल काका रहे। कार्यक्रम संयोजक ऋषि तलवार एवं कोषाध्यक्ष सुभाष बिरमानी ने आभार व्यक्त किया। अध्यक्षता रमेश शरण अग्रवाल ने की।

उत्तराखण्ड पश्चिम

कोटद्वार : शाखा द्वारा पॉलिथिन उन्मूलन कार्यक्रम के तहत विभिन्न स्कूलों में जाकर छात्र/छात्राओं को पॉलिथिन की थैलियों का प्रयोग न करने का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम संयोजक डा॰ एन॰पी॰ पोखरियाल थे।

उत्तराखण्ड पूर्व

हल्द्वानी : शाखा ने होली उत्सव बहुत ही धूम-धाम से मनाया। मुख्य अतिथि संघ के सहप्रान्त प्रचारक डा॰ हरीश ने कहा कि भारतीय संस्कृति के रंगों को हमें आत्मसात करना चाहिये। शाखाध्यक्ष डा॰ विनय खुल्लर एवं प्रान्तीय अध्यक्ष भगवान सहाय अग्रवाल ने सभी को होली की शुभकामनायें दी। मंच संचालन डा॰ गुञ्जन राजपाल एवं विवेक कश्यप ने किया। कार्यक्रम में प्रान्तीय संरक्षक दर्शन सिंह कार्की, प्रान्तीय महा-सचिव दीपक अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, ममता खुल्लर, आर॰के॰ गुप्ता, डा॰ एन॰के॰ मेहता आदि सदस्य उपस्थित थे।

शाखा द्वारा नव संवत्सर की पूर्व संध्या में मेले एवं

सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि काबीना मंत्री, बंशीधर भगत, राष्ट्रीय मंत्री संजीव बंसल, क्षेत्रीय सचिव अजय विश्नोई, सुनील खेड़ा, प्रान्तीय अध्यक्ष, भगवान सहाय अग्रवाल रहे। कार्यक्रम संचालन प्रान्तीय महासचिव दीपक अग्रवाल, डा॰ गुंजन राजपाल, तरुण बंसल ने किया।

हरियाणा उत्तर

विवेक, अम्बाला छावनी : 19.02.2011 को शाखा ने एस॰डी॰ कॉलेज के सभागार में विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के अध्यक्षों एवं अध्यापकों का परिषद् के विभिन्न कार्यक्रमों में सहयोग देने के लिए आभार समारोह किया। समारोह में 14 प्राचार्य एवं 40 अध्यापकों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता अजय दत्ता राष्ट्रीय मंत्री ने की तथा डा॰ देशबन्धु प्राचीय मुख्य अतिथि थे।

हरियाणा दक्षिण

प्रान्तीय अधिवेशन 13 मार्च को गुड़गाँव में आयोजित किया गया, जिसमें प्रान्त की 14 शाखाओं ने भाग लिया। अधिवेशन की शुरूआत गुड़गाँव शाखा सचिव अरुण कुमार अग्रवाल ने केन्द्र, प्रान्त, क्षेत्र के पदाधिकारियों को मंच पर आमंत्रित व अभिवादन करके की। प्रान्तीय महासचिव प्रवीण सिंघल ने हाल ही में जापान में आए भूकम्प व सुनामी में मारे गए लोगों की आत्मिक शान्ति के लिए 2 मिनट का मौन कराया। प्रान्त की अलग-अलग शाखाओं द्वारा किए गए कुछ मुख्य कार्यों का विवरण सुनाया गया। साँपला शाखा द्वारा रक्तदान को स्थाई प्रकल्प के रूप में लेना, गन्नौर शाखा द्वारा प्रशासन एवं अन्य समाज सेवी संस्थाओं के साथ मिलकर एक ही दिन में 2800 यूनिट ब्लड एकत्र करना, नारनौल शाखा द्वारा विशाल नेत्र आप्रेशन एवं जाँच शिविर प्रत्येक वर्ष आयोजित करना। बल्लबगढ़ शाखा द्वारा एक शव वाहन नगर को समर्पित करना, इसी शाखा द्वारा सबसे ज्यादा विकास मित्र और एक विकास रत्न देना, रोहतक शाखा द्वारा तीन नई शाखायें सेक्टर शाखा रोहतक, बेरी एवं झज्जर तथा बल्लबगढ़ शाखा द्वारा अर्जुन शाखा के गठन में सहयोग करना, प्रमुख बिन्दु रहे। जीवन भर परिषद् के सेवा कार्यों को करने एवं अपने जीवन के 75 वर्ष पूरे करने वाले श्री ईश्वर दत्त अग्घी एवं केदार नाथ शर्मा को प्रान्त ने लाईफ टाईम एचीवमेन्ट सम्मान से नवाज़ा। वनवासी सहायता योजना के राष्ट्रीय चेयरमैन चन्द्रसैन ने अपने उद्बोधन में शहीदे आज़म सरदार भगत सिंह के जीवन के कुछ बिन्दुओं को छुआ। प्रान्तीय महिला संयोजिका डा॰ शशिकान्ता शर्मा ने 'महिला संगोष्ठी' के कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए प्रान्त एवं रोहतक शाखा को बधाई दी। **कार्य एवं कार्यक्रमों की दृष्टि से रोहतक शाखा को प्रथम, गन्नौर शाखा को द्वितीय एवं महम एवं गोहाना शाखा को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान के लिए पुरस्कृत किया गया। अधिवेशन में सबसे ज्यादा संख्या में भाग लेने पर रोहतक शाखा को पुरस्कृत किया गया।**

माधव, फरीदाबाद : शाखा द्वारा सेक्टर 19 फरीदाबाद स्थित वृद्धाश्रम में वृद्धजन सेवा कल्याण प्रकल्प आयोजित किया गया। संस्थाध्यक्ष प्रदीप गर्ग पराग, सचिव एम॰पी॰ गोयनका, कोषाध्यक्ष प्रवीण गर्ग, राधेश्याम अग्रवाल, विष्णु खाटुवाल, हरेन्द्र चौधरी, सुनीता गर्ग, शशि गर्ग आदि सदस्यों सहित वृद्धाश्रम जाकर वृद्धों की कुशल क्षेम पूछ, उनको आवश्यक खाद्य फल एवं अन्य उपयोगी सामग्री प्रदान की गई। आश्रम के 103 वर्षीय बुजुर्ग रिटायर्ड कैप्टन मेघराज गुप्ता के अनुभव सुने तथा सभी महिला एवं पुरुष बुजुर्गों के अनुभव एवं प्रेरक बातों सहित वार्तालाप किया तथा उन्हें प्रोत्साहित किया।

महम रोहतक : शाखा द्वारा दायित्व ग्रहण व परिवार मिलन कार्यक्रम तथा हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि श्री सुभाष गुप्ता ने किया। प्रान्तीय अध्यक्ष श्री तरुण प्रताप त्यागी व प्रान्तीय महासचिव प्रवीण सिंघल उपस्थित थे। उन्होंने शाखा को प्रान्त में तृतीय स्थान प्राप्त करने पर सभी को बधाई दी व साथ ही शाखा **सचिव विजय रोहिला को उत्कृष्ट सचिव सम्मान से सम्मानित किया।**

हरियाणा पश्चिम

डबवाली : शाखा द्वारा 07.02.2011 को एक विशाल शिविर बिना दवाईयों के शराब धूम्रपान से मुक्ति के लिए पंजाबी धर्मशाला में लगाया गया। मुख्य अतिथि एस॰डी.एम॰ मुंशी नागपाल, और कार्यक्रम के अध्यक्ष इन्द्रजीत गोयल रहे। समारोह में 28

समाजसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। शिविर में ढोलपुर के बाबा श्री हरविन्द्र सिंह ने 124 लोगों को शराब व ड्रग से अध्यात्मिक प्रवचनों द्वारा मुक्ति दिलाई। अध्यक्ष सतपाल जग्गा,

व सचिव श्री कृष्ण वधवा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

घरोण्डा : शाखा द्वारा परिवार मिलन समरोह का आयोजन किया गया, जिसमें शाखा के 40 परिवारों ने भाग लिया। समारोह में बच्चों के लिये खेल-कूद के खूब साधन थे। सभी ने इस समारोह में जमकर मनोरंजन किया।

सिरसा : शाखा के संस्थापक व संचालक रमेश गोयल को उनके प्रयास द्वारा प्रान्त के लिए दैनिक भास्कर 'जल स्टार अवार्ड 2011' के लिए चुना गया। श्री गोपाल को चंडीगढ़ में 13.04.2011 को इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। श्री गोयल अभी तक विद्यालयों के माध्यम से लगभग 100000 छात्र/छात्राओं को जल बचत का संदेश दे चुके हैं। दूरदर्शन एवं रेडियो द्वारा भी इसका प्रचार किया जा रहा है। इस अवसर पर हरियाणा प्रदेश के सदस्यों ने इनके अभियान एवं सहयोग की सराहना की। दैनिक भास्कर ने 9 राज्यों में 9 कार्यकर्ताओं का चयन किया है। सिरसा नगर व ज़िले के लिए बहुत हर्ष की बात है।

पंजाब उत्तर

टैगोर, लुधियाना : प्रान्तीय कौंसिल सभा 2011 के अधि वेशन में शाखा ने 113 सदस्यों की ओर से रु. 22600/- की ध नराशि का चैक शाखा अध्यक्ष डा॰ विजय लक्ष्मी कपूर ने श्री एस॰के॰ वधवा को भेंट किया। यह धनराशि विकलांग सहायता के लिए 2010-11 सत्र में शाखा का अनुदान था। इसके अतिरिक्त शाखा ने इसी सत्र में प्रतिमाह एक फ्री कैम्प का भी आयोजन किया। 20.02.2011 को शाखा ने इस वर्ष का 12वां फ्री कैम्प लगवाया, जिसमें 20 लोगों को कृत्रिम अंग लगाए गए। यह कैम्प प्रान्तीय कौंसिल सभा 2011 की वार्षिक मीटिंग के तुरन्त बाद आयोजित हुआ। प्रान्त से आए सभी माननीय अतिथियों ने कैम्प

में भाग लिया। मुख्य अतिथि श्री एस॰के॰ वधवा राष्ट्रीय महामंत्री रहे। 27 फ़रवरी को वर्ष भर किये गए 100 के लगभग प्रकल्पों का ब्यौरा दिया गया। इन प्रकल्पों पर 14 लाख से अधिक कैश व अन्य सामग्री समाज के जरूरतमंद लोगों पर व्यय की गई। 12 फ्री लिम्ब वितरण कैम्प्स का आयोजन हुआ। जिसमें 375 लोगों को कृत्रिम लिम्ब हियरिंग एड, कैलीपर्स, व्हील चेयर दिए गए। 145 ज़रूरतमंद छात्राओं को आर्थिक सहायता हेतु 1 लाख 90 हज़ार की धनराशि वितरित की गई। लगभग 3 लाख 75 हज़ार मूल्य के कपड़े, हर उम्र और हर मौसम में काम आने वाले सामान वितरित किए गए।

हाजीपुर : 13 जनवरी 2010 को अभिलाषा सिलाई केन्द्र की छात्राओं के साथ लोहड़ी त्यौहार मनाया गया। समारोह की अध्यक्षता श्रीसंसार चन्द सेवा निवृत्त कमांडर व ज़िला अध्यक्ष द्वारा की गई। 17 जनवरी को स्वामी विवेकानन्द जी के जन्म दिवस समारोह पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। सरकारी मिडिल स्कूल शैली के प्रांगण में समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में तीन स्कूल शामिल हुए। अध्यक्षता सुरेन्द्र मोहन शर्मा ने की। 26 जनवरी को भूतपूर्व सैनिक संगठन और अभिलाषा सिलाई केन्द्र की छात्राओं ने साथ मिलकर ग्राम पंचायत हाजीपुर के प्रांगण में गणतन्त्र दिवस मनाया।

अमृतसर मेन : शाखा द्वारा प्रधान सुमित पुरी सचिव अभिषेक पुरी की अध्यक्षता में नवसंवत् के उपलक्ष्य में हवन यज्ञ का आयोजन विधिपूर्वक गायत्री मंत्रों के साथ करवाया गया, जिसमें भाजपा युवा मोर्चा के प्रधान राजेश हनी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। प्रधान सुमित पुरी ने कहा कि हमें अपनी संस्कृति व सदाचार को जागृत रखने के लिए इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन करना चाहिए। देवराज महाजन, अशोक धवन, ए॰एन॰ चाबा, जे॰एस॰ नागपाल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

पंजाब दक्षिण

तलवंडीभाई, फ़िरोज़पुर : शाखा द्वारा 27 फरवरी 2011 को डा॰ बी॰एल॰ पसरीचा संरक्षक एवं प्रान्तीय सचिव व विस्तारक की अध्यक्षता एवं निगरानी में परिवार मिलन समारोह आयोजित किया गया। गुरजीत सिंह पन्नू पी॰सी॰एस॰ उप-मंडल मैजिस्ट्रेड मुख्य अतिथि रहे। सर्वश्री दर्शन लाला सेठी, रजिन्द्र

कुमार गुप्ता, अशोक खुल्लर, राकेश कुमार गुप्ता ने समारोह को कामयाब कराने में अपना विशेष योगदान दिया। 35 परिवारों ने हिस्सा लिया जिसमें मुदकी मल्लावाल, जीरा और मखू शाखा के प्रधान भी समारोह में उपस्थित थे। शाखा ने तलवंडी गांव के शमशान घाट को सुन्दर रूप देने एवं 20 फुट चौड़ा और 70 फुट लम्बाई का मृतक देह का दाह-संस्कार कराने, शैड बनाने, चौकीदार का कमरा, और मृतक देह को जलाने वाली लक्कड़ स्टोर करने के लिए, जल व्यवस्था हाथ-मुँह धोने व फूल-पौधों को पानी देने के लिए शाखा ने जिम्मेदारी अपने ऊपर ली है। परिषद् ने सात मेम्बरी कमेटी बनाई है जो इस शमशान घाट की देख-रेख करेगी व निर्माण कार्य करेगी।

फ़िरोज़पुर शहर : 23.03.2011 को शाखा द्वारा चौक नामदेव के समीप सरदार भगत सिंह की प्रतिमा पर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की गई। अध्यक्ष डी॰आर॰ गोयल द्वारा इस अमर बलिदानी के जीवन सबन्धी विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। श्री शाम लाल के नेतृत्व में हरा चारा गायों को डाला गया।

राजस्थान दक्षिण

छोटी सादड़ी, प्रतापगढ़ : गुलाबचंद मेवाड़ी महाविद्यालय में 37 वर्षो की राजकीय सेवा पूर्ण करने पर गणित अध्यापक जगन्नाथ सोलंकी का विदाई एवं अभिनंदन समारोह परिषद् व विद्यालय परिवार के तत्वावधान में विधायक उदय लाल आंजना की अध्यक्षता तथा स्वामी बंशीधराचार्यजी गोपाल आश्रम के मुख्य आतिथ्य में हुआ। समारोह में आमील साहब बोहरा समाज के ध र्म गुरु का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। विभिन्न संगठनों द्वारा सोलंकी का अभिनन्द कर स्मृति चिह्न भेंट किए गए। समारोह को संबोधि त करते हुए पूर्व शिक्षा उप-निदेशक रंगलाल धाकड़ ने शिक्षक को छात्रों के भविष्य का शिल्पी बताते हुए राष्ट्र की बौद्धिक क्षमता का पुरोधा बताया। सोलंकी के जीवन पर आधारित पुस्तिका 'सीप का मोती' का विमोचन किया गया। समारोह को ज़िला शिक्षा अधि कारी योगेश जानी, पूर्व प्राचार्य बनवारी दत्त जोशी, अध्यक्ष महा-मंत्री भंवर हीरावत ने अपने विचार व्यक्त किये।

उदयपुर : शाखा की इस वर्ष की अन्तिम बैठक 25 मार्च को आभार प्रदर्शन के रूप में आयोजित की गई। बैठक में अध्यक्ष विजय लक्ष्मी बंसल ने परिषद् द्वारा वर्ष भर संचालित सेवा कार्यों, राष्ट्रीय प्रकल्पों, यथा गु॰छा॰अ॰ समूहगान, भारत को जानो, वनवासी सहायता, पर्यावरण, चिकित्सा सेवाएँ, शाखा के स्थायी प्रोजेक्टस के माध्यम से प्रस्तुत किया। 13 मार्च को प्रान्तीय परिषद् की बैठक में प्रान्त स्तर पर स्थापना वर्ष में ही सर्वाधिक स्थायी पर्यावरण के श्रेष्ठ शाखा संचालन, पौधारोपण एवं पर्यावरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम के लिए शाखा अध्यक्ष, विजय लक्ष्मी बंसल, सचिव नरेश चावत एवं कोषाध्यक्ष नरेन्द्र जैन को पुरस्कृत किया गया।

सुभाष, उदयपुर : वर्षा जल संरक्षण अभियान में लगे चिकित्सक डा॰ पी॰सी॰ जैन के अनुसार अभी तक 1200 से 1500 भवनों पर वर्षाजल संयंत्र लग चुके हैं और अभी यह अभियान जारी है। **ऐसे जनहित कार्य में लगे प्लम्बरों को सम्मानित करने का फैसला भी किया गया है।** सचिव प्रवीण जैन व श्री एस॰के॰ गुप्ता का सहयोग मिल रहा है।

शाखा की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह विद्या निकेतन के सभागार में सम्पन्न हुआ। पहली बार पलम्बर व घरेलू महिला को सम्मानित किया गया। **मुख्य अतिथि सभापति रजनी डांगी ने वर्षा जल संरक्षण करने वाले प्लम्बरों को धरती पुत्र व गृहिणी को घर की किलेदार कहा।**

राजस्थान मध्य

ज़िला प्रभारी भीम देवगढ़ आमेट श्री सत्यवीर सिंह त्यागी को 08.03.2011 को गायत्री शक्ति पीठ ब्रह्मपुरी जयपुर में सरकार के शिक्षा मंत्री मास्टर भंवरलाल मेघवाल ने पं॰ श्रीराम शर्मा आचार्य श्रेष्ठ शिक्षक सम्मान में 500/- रु. प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह, शॉल, साहित्य देकर सम्मानित किया। आमेट शाखा के सचिव मदन लाल का भी इसी प्रकार से अभिनन्दन किया गया।

सुभाष भीलवाड़ा : 7 फरवरी को कार्यकारिणी की मासिक बैठक श्री दिनेश सोनी के निवास स्थान व्यास कॉलोनी में सम्पन्न हुई। 18 फरवरी को महिला सदस्यों द्वारा फाग उत्सव के रूप में मनाया गया। शाखा द्वारा संचालित सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र अपने नियमित समय पर महर्षि दधीचि आश्रम में चल रहा है। जिसमें 10 से 11 महिलाएँ प्रतिदिन श्रीमती ऊषा अग्रवाल द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं।

10 से 16 मार्च पूज्य श्री कमल किशोर जी नागर द्वारा भागवत ज्ञान गंगा में महिला सदस्यों ने बैठक व्यवस्था में अपना पूरा सहयोग प्रदान किया। 17 मार्च को पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर परिषद् परिवार की महिला सदस्यों द्वारा फाग महोत्सव बड़ी धूम-धाम से मनाया गया। 23 मार्च, को शहादत दिवस को कौटिल्य के कारीगर विषय पर गोष्ठी सूर्य महल में सम्पन्न हुई। इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध विशेषज्ञ लेफ्टीनेन्ट कर्नल जे॰डी॰ बक्षी ने उद्बोधन दिया। 27 मार्च चिकित्सा शिविर शाखा द्वारा भगवान महावीर कैंसर हॉस्पीटल, जयपुर से कैंसर स्पेशलिस्ट डा॰ ललित मोहन एवं वरिष्ठ सर्जन डा॰ शशीकान्त सैनी द्वारा व राधेकृष्णा हॉस्पीटल के सहयोग से कैंसर जाँच एवं निदान शिविर लगाया गया।

गुलाबपुरा, भीलवाड़ा : फरवरी 2011 में तृतीय त्रैमासिक

नि:शुल्क महिला सिलाई प्रशिक्षण की सम्पूर्ण व्यवस्था के साथ नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी द्वारा शिविर का अवलोकन कर यथा संभव सहायता एंव आगामी शिविर में आवश्यक सामग्री देने का आश्वासन दिया गया। नगर पालिका में मुक्तिधाम विस्तार एवं बादा परिसर की दीवारें ऊँची कराने एवं गेट लगवाने हेतु पत्र प्रेषित किया। राष्ट्रीय कार्यक्रम पल्स पोलियो में प्रशासन द्वारा आवंटित 2 बूथों पर सम्पूर्ण व्यवस्था की गई। परिषद् द्वारा संचालित बूथ मातृ-शिशु कल्याण केन्द्र पर पल्स पोलियों अभियान का शुभारम्भ उप-खण्ड अधिकारी महोदय द्वारा किया गया। मुक्तिधाम संचालन, जल मंदिर, मुक्तिधाम रेफरल चिकित्सालय का संकल्प संचालन, कबूतर चुग्गा, रक्त उपलब्ध आदि स्थाई प्रकल्प यथापूर्वक चल रहें है।

राजस्थान पश्चिम

सुमेरपुर, शिवगंज : शाखा के सहयोग से रा॰उ॰प्रा॰ विद्यालय धनापुरा के छात्रों को 60 स्वेटर तथा रा॰उ॰प्रा॰ विद्यालय सन्तोषी नगर शिवगंज के छात्रों को भी 60 स्वेटर वितरित किये गये। कार्यकर्ता शिव बड़वाल, प्रमिला गहलोत, पंकज गहलोत, नारायण परिहार तथा भंवरलाल जैन का कार्यक्रम में सहयोग रहा। 24 फरवरी को राजकीय मेहता चिकित्सालय सुमेरपुर में आयोजित नसबन्दी शिविर में नसबन्दी कराने वालों को श्री शिवराज भाटिया शाखा मार्ग दर्शक व प्रान्तीय प्रतिनिधि के आर्थिक सहयोग से 134 कम्बल वितरित किये गये। शिविर में नीरज के॰ प्रा॰ ज़िला कलेक्टर पाली नरेन्द्र कुमार बंसल उप-ज़िला मजिस्ट्रेट सुमेरपुर उपस्थित रहे।

शाखा के आगामी वर्ष 2011-12 के पदाधिकारियों का निर्वाचन प्रान्तीय पर्यवेक्षक अनिल गोयल प्रान्तीय संगठन मंत्री और शिवराज भाटिया के निर्देशन में होटल मानसरोवर वाटिका में 13.03. 2011 को सम्पन्न हुआ। सभा के अन्त में होली स्नेह मिलन का आयोजन पुष्प वर्षा, गुलाल तिलक व सहभोजन के साथ सम्पन्न हुआ। **शाखा परिवार के संरक्षक प्रमुख समाजसेवी राजमल एस॰ जैन ने केन्द्रीय कोष में एक लाख रुपये का योगदान कर विकास रत्न बनकर शाखा को गौरवान्वित किया है।**

दिल्ली दक्षिण

प्रान्त संयोजिका श्रीमती प्रोमिला ग्रोवर ने परिषद् की महिला सदस्यों एवं अन्य महिलाओं की भूमिका तथा सहभागिता बढ़ाने हेतु 28 फरवरी 2011 को चितरंजन पार्क में 25 महिलाओं का गठन किया। इस सभा का शुभारम्भ डा॰ ममता पुरी द्वारा मंत्रोच्चारण से हुआ। श्रीमती प्रोमिला ग्रोवर ने परिषद् द्वारा किये जा रहे नि:स्वार्थ जन सेवा सम्बन्धित कार्यो से सभी महिलाओं को अवगत कराया और महिलाओं को समाज सेवा में अधिक से अधिक संख्या में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। भक्ति भजन संध्या के उपरान्त 'समय का स्वरूप कैसा है' इस पर श्रीमती ग्रोवार ने एक सुन्दर कहानी का वर्णन किया। कहानी का आशय था कि वर्तमान क्षण ही सबसे महत्वूपर्ण है, तथा समय का सदुपयोग ही जीवन का सम्मान है। इसे आचरण में उतारने वाला ही कर्मयोगी है। जीवन लगातार गतिमान है। भूत और भविष्य दोनों ही मानव के नियंत्रण से बाहर है। अथर्ववेद में आता है 'कालो अश्वो धावति' अर्थात् समय रूपी घोड़ा भाग जा रहा है, वह किसी का इंतजार नही करता, इसलिए समय को पकड़कर दृढ़ संकल्प के द्वारा ही हम अपने लक्ष्य तक पहुँच सकते है। मंगल कामना व धन्यवाद करने के पश्चात् सभा सम्पन्न हुई।

तिलक नगर : शाखा की ओर से आर्य समाज मन्दिर में सामूहिक विवाह यज्ञ का आयोजन किया गया, इसमें 11 गरीब कन्याओं का विवाह कराया गया। नवविवाहित जोड़ों को सांसद महाबल मिश्रा विधायक एवं अनेक गणमान्यजनों ने आशीर्वाद प्रदान कर उनके सुखद व मंगलमय जीवन की कामना की। सचिव नंदकुमार चावला ने बताया कि नव-दम्पतियों को शाखा व जनता के परस्पर सहयोग से घर-परिवार की ज़रूरत का सामान उपलब्ध कराया गया है। इसके अतिरिक्त उन्हें धनराशि भी प्रदान की गई। सुप्रसिद्ध समाजसेवी इन्द्रप्रकाश कोहली द्वारा नव-दम्पतियों व परिवारजनों के लिये प्रीतिभोज का आयोजन किया गया।

मालवीय नगर : शाखा द्वारा श्री लक्ष्मी नारायण मन्दिर के प्रांगण में श्री सनातन धर्म सभा (पंजि॰) द्वारा श्री गीता ज्ञानामृत महोत्सव का आयोजन 15 मार्च से 17 मार्च 2011 तक किया गया। जिसमें पूजनीय महामंडलेश्वर गीता मनीषी स्वामी श्री ज्ञानानन्द जी महाराज द्वारा अमृतमयी एवं तमोहारिणी वाणी में उपनिषदों के सार श्रीमद्-भगवद् गीता के ज्ञानप्रद एवं पावन संदेशों से उपस्थित जन समुदाय को लाभन्वित कराया। महोत्सव के अन्तिम दिन 17.03.2011 को विकलांग सहायता के रूप में शाखा द्वारा दिल्ली दिलशाद गार्डन के डा॰ रेशमसिंह राठौर एवं उनके तकनीकी सहयोगी राजेशवर प्रसाद सिंह की देख-रेख कैलिपर्स एवं सर्जिकल शूज एवं सिलाई की मशीन महामना स्वामी ज्ञानानन्द जी महाराज की अध्यक्षता एवं उपस्थिति में प्रदान किये गये। आयोजन में शाखा सचिव धर्मपाल अरोड़ा, सत्य पाल सपरा, उपाध्यक्ष विजय कुमार सरीन, कोषाध्यक्ष तथा सदस्य मदन मोहन वर्मा आदि का सराहनीय योगदान रहा।

दिल्ली उत्तर

माँ सरस्वती : शाखा द्वारा 19 मार्च को होली मिलन के अवसर पर वार्षिक चुनाव कराये गये। सतीश गुप्ता के प्रयास से श्रीमती अनिता बंसल एवं संजय बंसल द्वारा आर्य कन्या गुरुकुल सैनिक विहार की 20 कन्याओं के लिये रु. 36409/- की राशि की

पुस्तकों का योगदान दिया गया।

गुजरात मध्य

रामाकृष्णा, राजकोट : शाखा द्वारा 20.02.2011 को सेवा प्रकल्प के अन्तर्गत वृद्धाश्रम में श्री सत्यनारायण की कथा के आयोजन में 40 वृद्धों के साथ सदस्यों को भोजन कराया गया तथा प्रसाद वितरण किया गया, जो शाखा की ओर से था। कार्यक्रम में अध्यक्ष शशि भाई मांडालिया, सचिव जयंत तथा अन्य सदस्यों का सहयोग रहा।

महाराष्ट्र-II

स्वारगेट पुणे : 12-13 मार्च 2011 को प्रान्तीय संकल्प अधिवेशन लोनावला में शहर के प्रसिद्ध नारायणी धर्मशाला में आयोजित किया गया। जिसमें प्रान्त की विभिन्न 16 शाखाओं के लगभग 400 प्रतिनिधि उपस्थित थे। सम्मेलन में मुख्य रूप से रा०का० अध्यक्ष श्री आई०डी० ओझा व रा०महामंत्री श्री सुरेन्द्र कुमार वधवा तथा प्रान्तीय वरिष्ठ पदाधिकारियों के मार्गदर्शन का लाभ प्राप्त हुआ। शाखा को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। जिसमें शाखा के संस्कार प्रमुख श्री रामदास द्वारा कार्यक्रम **स्थल पर रंगोली सजाने के लिये तथा वरिष्ठ सदस्य क्षेत्रीय मंत्री सम्पर्क श्री प्रवीण दोषी, जिन्होंने 75 वर्ष की आयु में पदार्पण किया, उनको भी तरुण कर्मनिष्ठ कार्यकर्ता का पुरस्कार दिया गया।**

उत्तर बिहार

प्रांत की मोतिहारी स्थित तीनों शाखाओं सत्यम, शिवम् एवं सुन्दरम् के सम्मिलित सहयोग से मोतिहारी मेडिकल सेन्टर रघुनाथ पुर मोतिहारी में एक विकलांग सहायता शिविर का आयोजन विकलांग न्यास पटना के सहयोग से 23 जनवरी एवं 9 फरवरी 2011 को सम्पन्न हआ। जिसमें 300 विकलांग भाई बहनों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। विकलांगों की जाँच उपरान्त 191 को चिह्नित कर उनका पंजीकरण किया गया। 191 पंजीकृत विकलांग भाई-बहनों को परिषद् के सदस्यों एवं शहर के गणमान्य नागरिकों द्वारा कृत्रिम अंग प्रदान किए गये। समारोह में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री हरीश जिन्दल, अतिरिक्त संगठन मंत्री मिथिलेश कुमार वर्मा, क्षेत्रीय मंत्री संस्कार ई० अशोक कुमार, प्रा० अध्यक्षा श्रीमती मंजू देवी, तथा अध्यक्ष प्रकाश अस्थाना उपस्थित थे।

DELHI SOUTH

C-Block Janakpuri : The branch organised a free Eye & Dental checkup camp of the school children of MCD Primary School in the first week of Feb. 2011. Free toothpaste, toothbrush & exercise books were presented to all the children. In addition free spects and medicines were also provided to children who had defects in their hearing/sight. The camp continued for 6 days where Dental Surgeon & eye specialist made available their services free of charge.One Tricycle costing about Rs. 5000/- was

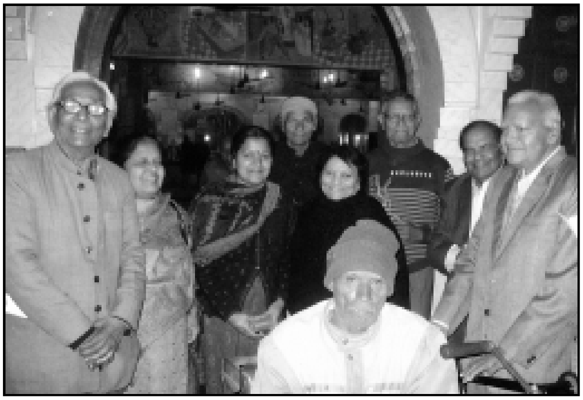

also donated on 26.02.2011 to one handicap person who had lost both his legs. The cost was shared with one of our lady member of the branch in the presence of Shri. S.K. Chaudhary. Shri R.K. Thakur Chief Adviser & Patron of BVP Smt. Surabhi Singhal shared the cost of Tricycle along with all the functionaries of the branch committee. General Body meeting of the branch was organised on 26th Feb. 2011 where about 50 members were present. Foundation day of Geeta Mandir was celebrated by organizing Geeta Pravachan.

Vikas Puri : Basant Panchami was celebrated on 8th Feb. 2011. In the morning Saraswati Mata Pujan was done in Gauri Shankar Temple, DG-II alongwith students of adjoining schools and most of the senior members of the branch. Basanti Rice, cooked and sweetened were distributed to about 500 devotees and children of the adjoining areas of labour basties.

HARYANA NORTH

Panchkula : International Women's Day was observed on 8th March in Swami Vivekananda hall by women wing of branch by performing Yagya by Acharya Sharavan Kumar. Dr. Usha Chandana spoke on the role and place of women in the Indian Society. Mrs. Prem Sekhri, Mahila Pramukh emphasised that women should be equal partners in real sense of the word and should use their inherent strength to uplift the down-trodden and under-privileged people. Free physiotherapy

treatment was given to the women patients who visited the clinic courtesy member Shri Y.P. Madan. This gesture was appreciated by S.D. Kamboj, Chief Patron and C.L. Malhotra, District President.

PUNJAB NORTH

Phagwara : In a meeting of the branch '*Prarthana Pushpanjali*' was released under project Bal Yuva and Praudh Sanskar. Pitchkaries were distributed to children. Prominent singer Ravi Mangal performed well with holi songs. Branch donated 5000/- to one patient as medical aid.

PUNJAB EAST

Meeting of State Executive Committee was held on 09.01.2011 in Shastri Model School, Mohali in which 42 members participated. The General Secretary Shri S.C. Galhotra presented the State achievements and congratulated the members for their whole hearted support as a result of which our Prant was honoured at Agra in National Council Conference being No.1 The meeting was graced by the presence of National Secretary General Shri S.K. Wadhwa who appreciated the prant and its achievemente. He gave many tips for success. Members had a lively discussion with him.

Malerkotla : Branch celebrated the Shaheedi Divas of Shaheed-e-Aazam Bhagat Singh, Raj Guru and Sukhdev on 23rd March 2011 at the Jail premises of Malerkotla. Shri Vikramjeet Pandhy D.S.P. (Jail) was the Chief Guest. Shri Vikramjeet Pandhy delivered lecture on the life of Shaheed Bhagat Singh and other Martyrs. Members of BVP also highlighted the Shahadat of these Martyrs.

Chandigarh South : Branch celebrated Basant and Parivar Milan on 13.02.2011 in Sood Bhawan, Sector-44, Chandigarh. 50 families of all four branches of the district participated. Prof. S.D. Pabbi told the gathering about the importance of Basant.

GUJARAT NORTH

Prant held a general meeting in the Garden Hotel Patan on 27.02.2011. President, Secretary Treasurer, Mahila Sanyojika & all programme sanyojak of all branches participated. President Satishbhai Thakkar announced the names of President, Vice President, Secretary, Treasurer & all Programme Prakalp sanyojak of the prant for the year 2011-12. New President Dr. Ajaybhai Joshi delivered his welcome speech regarding the consitution of BVP in detail & explained the importance of sanskar & Seva programmes. New office bearers are President Dr. Ajaybhai Joshi, Secretary Bharathbai Thakkar, Vice President Ashwinbhai Parek, Dr. Ameetbhai Akhani, Bharatbhai Modi, treasurer Rupeshbhai Jain.

MAHARASHTRA

Filmcity, Mumbai Malad East : Branch launched exclusive website of Filmcity branch on the eve of new year. The site contains past and future projects of the branch with Photo Gallary. Besides details about members, it also has clippings of news published in newspapers and our magazine Niti. Link of the site is as below www.filmcity.bvpmaharashtra1.com.

ASSAM

Karimganj : Branch organized pure drinking water project on 4th February, 2011 and distributed pure drinking water to the devotees who participated in the procession on the occasion of opening ceremony of newly constructed Shri Radha Mohan Temple. More than 5000 devotees were provided with pure drinking water.

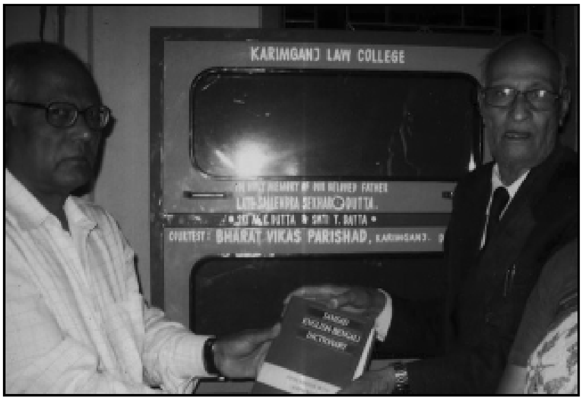

Donated one steel bookcase and books to Karimganj Law College on 16.03.2011. The same was handed over to Md. Abdul Basit Choudhury, Principal in the presence of large number of members, where some members spoke on the occasion and praised the activites of BVP. Entire project was initiated and sponsored by our Ex. President Shri Mrinal Kanti Dutta in memory of his beloved father late Shailendra Shekhar Dutta.

A.P. EAST

Anakapalle Central : Branch conducted medical check-up on 1.2.2011 and distributed medicines to the school children. Medicines were given by local whole sale dealers and Dr. Sreedharala Lakshminarayana Gupta. Nearly 300 persons attended the camp. The venue was M.H. School Anakapalle. On 04.02.2011 G. Brahmam, Additional District Probation Officer street children welfare office AP Goverment, delivered a speech on the role of the officer how well they catch the street children and hand them over to the Government orphan schools established at Shrikakulam, Vizanagram and Visakhapatnam District Centers. The venue was YMVA SVR Memorial hall. On 25.02.2011 Smt. Indirabala, famous harikatha Bhagavathrini, AIR and TV A1 Grade, TTD Nadaneerajana, Rashtra kala nirajana puraskar awardee, delivered a speech on Harikatha ki Aadhyatmiktah. The couple was honoured with Shawls and mementos. The venue was YMVA SVR Memorial Hall.

KARNATAKA NORTH

The second zonal coordination committee meeting of zone XVI was held on 16.02.2011 hosted by Hospet brach at Thosophical women college's library hall. Minutes of the last meeting held on 14.08.2010, Secretary's report, Finance Secretary's Financial report were duly appoved. The zone chairman asked the General Secretaries of both prants to work for the growth and development of the prants. Karnataka South has taken a big project of Viklang manufacturing and rehabilitation centre at Bangalore at a cost of 157 lakhs. Shri N.D. Doulath Rao, Nagaraj and Krishnappa gave the details of the poject. Dr. Pramod W Basarkar Org. Sec. of North prant promised Rs. 11000/- as his contribution.

In a glittering function held on 27th March 2011 presided over by Shri B.C. Krishnappa the out-going President, Shri N. Daulath Rao, National Additional Organising Secretary administered the oath of office to the new office bearers of the year 2011-12 Shri A.S. Nataraj President, Shri T.K. Ravindran General Secretary, and Shri B.V. Rao Treasurer along with the nominated Vice president, Joint Secretary and conveners for the various projects. P.V. Krishana Bhat, National Convener, 'Pragjna Pravah' and Hon'ble member of Karnataka Legislative Council was the chief guest of the function. Dr. B.D. Patel National Secretary, Sampark, gave an audio-visual presentation of the unique Viklanga Sahayata (Bhavana) Project recently undertaken. Prant had made a fervent appeal for raising resources for fulfillment of the project recently estimated to cost about 2 Lakh. The Chief Guest, Shri P.V. Krishna Bhat in his emotion-charged inspiring speech dwelt at length about the over-exploitation of earth's resources, rampant commercialisation prevalent in certain Service Organisations having a global tag, and stressed the importance of preserving our culture in all our Seva activites and lauded the achievements of the parishad in all its five unique missions.

ORISSA

Puri : Branch arranged a stall during car festival of Lord Jagannath and provided lemon and curd water to the pilgrims from morning to evening.

JHARKHAND

Bokaro Thermal : Branch celebrated Holi milan on 21.03.2011 at Station Club. About 25 members were present and used Abir and Gulal to each-other. Z.O.S. Er. G.P. Singh, State G.S. Er. P.K. Ambastha, branch Secretary Er. Rajeev Ranjan, Sri A.K. Tiwary, Er. U.S. Thakur, Er. R. Ram V.L. Srivastava and others took part in the celebration.

Branch celebrated Navasamvatsar 2068 on 04.04.2011 at Station club. Branch Secretary Er. Rajeev Ranjan presented annual report for the year 2010-11. 10 men and 10 women, who were the most needy were offered 10 Dhotis and 10 Sarees resp. ZOS Er. G.P. Singh presented mementos of Vikas Mitra to Er. P.K. Ambastha and Er. R.N. Tiwari. State G.S. Sri P.K. Ambastha administered the oath to 12 office bearers of the branch and 5 office bearers of Gaimajrua Gramin branch. Shri D.P. Verma of Gayatri Pariwar outlined at length the spiritual aspects of Navsamvatsar. The programme was conducted by Smt. Rinky Prasad. The notable persons present were Er. A.P. Singh, Shri A.K. Tiwari, Shri Suman Kumar, Shri Balmukund Prajapati & others.

MADHYA BHARAT NORTH

Shivaji : Branch won 8 awards in Uttar Prant

continued on page 36.................

// श्रद्धांजलि //

1. **हाजीपुर, पंजाब उत्तर :** सदस्य एवं विकास मित्र सरदार साहिब सिंह की माता का 16.02.2011 को निधन हो गया।
2. **फ़िरोज़पुर शहर :** सदस्य रमेश कुमार मानकटाला की 90 वर्षीय माता श्रीमती तारावंती का 23.03.2011 को निधन हो गया।
3. **सफीदों, हरियाणा पश्चिम :** शाखा के संस्कार प्रमुख राकेश दीवान की माता श्रीमती राजदुलारी प्रभु चरणों में विलीन हो गई।
4. **महम रोहतक, हरियाणा दक्षिण :** सदस्य व प्रान्त कार्यकारिणी दिनेश गुप्ता के बड़े भाई रमेश गुप्ता का 19. 03.2011 को निधन हो गया।
5. **सुभाष भीलवाड़ा, राजस्थान मध्य :** (I) सदस्य डा० राधेश्याम सोमानी की माता श्रीमती सज्जन देवी सोमानी का स्वर्गवास 10.02.2011 को हो गया।
6. **प्रताप :** शाखा अध्यक्ष दिनेश अजमेरा के पिता रामपाल अजमेरा का स्वर्गवास 23.02.2011 को हो गया। (III) परिषद् परिवार के ही अभय खजांची के बड़े भ्राता महेन्द्र का स्वर्गवास हो गया।
7. **कुशालगढ़, गंगापुरसिटी, राजस्थान पूर्व :** शाखा सदस्य दीवान चन्द खंडूजा के 78 वर्षीय बड़े भाई बलदेव राज खंडूजा का 05.02.2011 को देहान्त हो गया।
8. **जोधपुर पावटा, राजस्थान पश्चिम :** सदस्य एड्वोकेट कुलदीप माथुर के पिता नरेन्द्र कुमार माथुर का 3 मार्च 2011 को देहावसान हो गया।
9. **जोधपुर पावटा :** शाखा सचिव श्री ओम प्रकाश अग्रवाल की बहन श्रीमती कृष्णा गर्ग का दहांत 27.03.2011 को हो गया।
10. **बालोतरा :** सचिव द्वारका प्रसाद गोयल के पिता रामरतन बाजोरिया का 26.02.2011 को देहान्त हो गया।
11. **छपरा सारण, उत्तर बिहार :** शाखा सदस्य महाबीर जैन सी०ए० की मृत्यु हो गई।
12. **मुज़फ़्फ़रपुर :** पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान संरक्षक श्रीकृष्ण कुमार की पुत्री का निधन हो गया।
13. **कंकड़बाग, सत्यम् पटना, दक्षिण बिहार :** शाखा के वरीय सदस्य दिनेश चन्द्र सिन्हा का निधन 77 वर्ष की उम्र में 07.02.2011 को हो गया।
14. **कोटद्वार, उत्तराखण्ड पश्चिम :** शाखा के पूर्व सचिव महेश गोयल की 72 वर्षीय माता श्रीमती मुरली देवी का 15. 01.2011 को निधन हो गया।
15. **उन्नाव, ब्रह्मावर्त :** संस्थापक सदस्य डा० सी०पी० सिंह का निधन 20.03.2011 को हो गया।
16. **Suratgarh, Rajasthan North :** Smt. Mohini Devi mother of Mahavir Derasari expired on 16 March 2011.
17. **Auraiya, Bramhavart :** Shri Vivek Porwal prachar Secretary lost his mother on 04.03.2011 at the age on 65.

परिषद् परिवार की ओर से भावभीनि श्रद्धांजलि

.... continued from page 35

Gwalior on 27th March 2011. The awards were presented by Hon. C.G. Shri Kaushal Kishore Bhatt (Tikamgarh) zonal General Secretary, Prant Prof. Ashok Bandil, Ajay Bansal National Secretaries Vistar zones I to III. Awards were received by President Rajeev Vaishya (Secretary 2011-12.)

WEST BENGAL

Kolkata South : Branch has undertaken the following activities during March 2011. Maintenance of free beds at Matri Mangal Pratisthan, Kolkata. Parishad has contributed Rs. 10,000/- for the year 2011 towards maintenace of bed. Help fo handicapped branch contributed Rs. 5100/- to Bharatendu Andh Ashram, a centre for blind persons.Contribution of Rs. 16,945/- was given to Uttmanand Matri Ashram, Konnagar towards cost of providing milk, pulses & sugar for old lady inmates of the Ashram. Members visit the Ashram from time to time. Contribution to cover cost of 300 kgs rice (made every month) ot Kamakhya Balak Ashram, Madhyagram a house for over 50 orphan children. Above mentioned projects are maintained by the branch as permanent projects.